A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 07 फरवरी, 2026

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 157, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

रेजिन ला में भारतीय सेना ने कैसे चीन को चौंकाया था...

स्नेहेश एलेक्स फिलिप

अभी तक प्रकाशित न हुई अपनी आत्मकथा में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे लिखते हैं कि 31 अगस्त 2020 को रात 10.30 बजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनसे कहा था, 'जो उचित समझो, वह करो।' यह बात उन्होंने तब कही, जब जनरल नरवणे ने नेतृत्व को बताया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास रेज़िन ला नाम के पहाड़ी दर्रे की ओर टैंक और सैनिक बढ़ा दिए हैं और वे भारतीय ठिकानों की और करीब आ रहे हैं।

जनरल नरवणे की यह बात उनकी किताब के अंशों में दर्ज है, जिन्हें दिसंबर 2023 में समाचार एजेंसी पीटीआई ने प्रकाशित किया था। उनकी किताब सेना की मंजूरी का इंतजार कर रही है। नियम के मुताबिक, ऑपरेशनल मामलों पर लिखी गई किसी भी किताब को संबंधित सेनाओं से मंजूरी लेनी होती है। '31 अगस्त की शाम 8.15 बजे जो (जोशी) ने मुझे फोन किया। वह काफी चिंतित थे। उन्होंने बताया कि पैदल सेना के साथ चार टैंक धीरे-धीरे रेज़िन ला की ओर रास्ते पर आगे बढ़ने लगे हैं। उन्होंने एक रोशनी वाला गोला दागा, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। मेरे पास साफ आदेश थे कि 'सबसे ऊपर से मंजूरी मिलने तक गोली नहीं चलानी है।' इसके बाद अगले आधे घंटे में रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, एनएसए, सीडीएस और मेरे बीच कई फोन कॉल हुए,' अंशों में यह भी कहा गया है। यहां वह तत्कालीन उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल वाई.के. जोशी द्वारा दी गई जानकारी का जिक्र कर रहे थे।

इन अंशों के सामने आने के बाद यह मामला अब राजनीतिक विवाद बन गया है और कांग्रेस ने इसे संसद में उठाया है। रेज़िन ला में, चीनी कार्रवाई के चलते एलएसी पर पहली बार गोली चली, जिससे चार दशकों से चली आ रही शांति टूटी, जबकि सीमा विवाद लंबे समय से चलता रहा है और हर साल कई बार आमने-सामने की स्थिति बनती है।

सिर्फ रोशनी वाला गोला और पहाड़ी चोटी से रॉकेट लॉन्चर ही चेतावनी के तौर पर नहीं दागे गए, बल्कि हवा में भी कई राउंड फायर किए गए, ताकि चीन को उसकी आक्रामक कार्रवाई रोकने के लिए चेतावनी दी जा सके। इसके बाद चीनी सैनिक पीछे हट गए। इससे पहले चीन ने ही भारतीय सैनिकों को डराने के लिए हवा में फायरिंग की थी। हालांकि ध्यान 31 अगस्त की घटनाओं पर है, लेकिन असली कहानी उससे पहले की है, जो अब तक इन अंशों में सामने नहीं आई है।

चीन ने वाकई हल्के टैंकों और सैनिकों के साथ रेज़िन ला की ओर बढ़ने की कोशिश की थी, ताकि ऊंचाइयों पर कब्जा किया जा सके। रक्षा प्रतिष्ठान के एक सूत्र ने कहा, 'यह भारतीय सैनिकों से ऊंचाइयां छीनने की कोशिश थी, जिन्होंने पहले ही पीएलए को चकमा देकर अहम चोटियों पर कब्जा कर लिया था, जिससे चीन हैरान रह गया था।'

31 अगस्त 2020 की सुबह, 29 और 30 अगस्त की दरम्यानी रात और दिन के दौरान, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन लेपर्ड स्नो' के तहत विशेष बलों की मदद से पेंगोंग त्सो के दक्षिणी किनारों पर अहम ठिकानों पर कब्जा किया था। स्नो लेपर्ड उसी बड़े ऑपरेशन का नाम है, जो मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी आक्रामकता के बाद शुरू किया गया था।

'यह ऑपरेशन जून 2020 में गलवान झड़प के बाद किया गया, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे और कई अन्य घायल हुए थे। इस झड़प के बाद एलएसी पर एंगेजमेंट के नियमों में बदलाव किया गया कि ऐसा कुछ नहीं है, जो कमांडर को जरूरी रणनीतिक फैसले लेने से रोके।'

सूत्रों के मुताबिक, गलवान झड़प के बाद सेना को यह जिम्मेदारी दी गई थी कि वह बढ़त हासिल करने के तरीके सुझाए। व्यापक मंथन के बाद एक गोपनीय योजना सरकार को भेजी गई, जिसे मंजूरी मिल गई। इसके तहत विशेष बलों को चुपचाप तैनात किया गया और भटकाने वाली रणनीतियां अपनाई गईं। योजना को अंतिम रूप मिलने के बाद, चीन के खिलाफ एकमात्र आक्रामक फॉर्मेशन, पश्चिम बंगाल के पनागरह में स्थित 17 माउंटेन स्ट्राइक कोर को कार्रवाई में लगाया गया। सेना की एलीट पैरा स्पेशल फोर्स और उत्तराखंड के चकराता में स्थित स्पेशल फ्रंटियर फोर्स की कई यूनिट्स को शामिल किया गया। एसएफएफ में बड़ी संख्या में तिब्बती शरणार्थी शामिल हैं। ऑपरेशन की निगरानी उत्तरी सेना कमान कर रही थी, जबकि 17 माउंटेन स्ट्राइक कोर के तत्कालीन जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल सवनीत सिंह को जमीन पर ऑपरेशन की जिम्मेदारी दी गई थी।

अगस्त की शुरुआत में, सिर्फ 24 घंटे के नोटिस पर, बिना भारी उपकरणों के, लेफ्टिनेंट जनरल सिंह के नेतृत्व में एमएससी की एक चुनी हुई टीम लद्दाख पहुंची। बाहर की दुनिया को यह मूवमेंट सामान्य लगा। इस तरह पूर्वी लद्दाख में जमीन पर दो कोर कमांडर मौजूद थे। भारतीय पक्ष पर दबाव बढ़ाने की कोशिश में या एहतियात के तौर पर, चीन ने पेंगोंग त्सो के दक्षिणी किनारों पर एक रणनीतिक कार्रवाई की और ब्लैक टॉप और हेलमेट नाम की दो ऊंचाइयों तक पहुंचने में सफल रहा।

यह देखते ही भारतीय सैनिकों ने भी अपनी तैनाती शुरू कर दी, जिसे मिरर-डिप्लॉयमेंट कहा गया। 30 अगस्त को कई चुनी हुई यूनिट्स के सैनिक एक साथ जुटे, जबकि उपकरण अलग-अलग जगहों से लाए गए. इसमें मैकेनाइज्ड और आर्मर्ड यूनिट्स के सैनिक और उपकरण भी शामिल थे। इसी बीच, भारत ने उत्तरी किनारों के फिंगर इलाके में भी एक रणनीतिक कदम उठाया। इससे चीन को यह लगा कि भारतीय सेना का ध्यान वहां है, जबकि असली कार्रवाई दक्षिणी किनारों पर चल रही थी। उत्तरी किनारों पर भारतीय सैनिक फिंगर 4 की ऊंचाइयों पर चढ़ने में कामयाब रहे और वहां सीधे चीनी सैनिकों के सामने तैनात हो गए, जबकि दक्षिणी किनारों पर सैनिक ऊंचाइयों पर कब्जा करते जा रहे थे। दक्षिणी हिस्से में, भारतीय विशेष बलों ने चीन को चौंकाते हुए पेंगोंग त्सो के दक्षिणी किनारों पर बढ़त बना ली और कैलाश रेंज की ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया, जिस पर दोनों देशों का दावा था। दक्षिणी किनारों पर भारतीय सैनिकों के रणनीतिक ऊंचाइयों पर कब्जा करते ही चीन ने भी अपने सैनिक भेजे। लेकिन दर्रों पर कब्जे की इस दौड़ में भारत आगे निकल गया। अगस्त के अंत तक न तो भारत और न ही चीन ने इन ऊंचाइयों पर कब्जा किया था। इनमें रेज़िन ला और रेज़ांग ला शामिल हैं। इन ऊंचाइयों और कुछ अन्य चोटियों से भारत को चीनी नियंत्रण वाले स्पैंगुर गैप और मोल्डो गैरीसन पर रणनीतिक बढ़त मिली। भारतीय सेना की अचानक की गई इस कार्रवाई से चीन हैरान रह गया। इसके बाद उसने अपने हल्के टैंक आगे बढ़ाए और दक्षिणी किनारों से भारतीय सैनिकों को हटाने के लिए 1 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात कर दिए। भारत ने जवाब में कैलाश रेंज की ओर अपने बख्तरबंद दस्ते आगे बढ़ा दिए। भारतीय सेना ने ब्लफ गेम खेला और पीएलए ने कदम पीछे खींच लिए।

(द प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

उसका न होना भी
उसका होना है
धूल–रहित दर्पण
ज़िन्दगी के राग सा
जताता है,उसका होना!
शिकवे–नसीहत
उलाहनों के मीठे स्वर
गूंजते ज्यूँ गीत से!
सर्द रातों का नरम गरम कम्बल
उसका होना
खोई रसीद और चाबी का
यकबयक मिल जाना
उसका होना!
कविता की नदी में जमे शब्द
ग़ज़ल की रवानगी में बयां होना
उसका होना
कैसे कहूँ,क्या कहूँ?
खाने में नमक होना
उसका होना!

– आरती तिवारी

राज्य सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर तैयार कर रही है विकास का नया मॉडल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसानों के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं होगा

- केन्द्रीय बजट के आधार पर तय हो रही हैं वैश्विक नीतियां
- मध्यप्रदेश देश का फूड बॉस्केट बना, अब खाद्यान्न उत्पादन में हैं दूसरे स्थान पर
- उड़द और मसूर का उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का फूड बॉस्केट बन चुका है। मध्यप्रदेश को कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और दाल उत्पादन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। राज्य सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। राज्य सरकार जमीन हो या मशीन हर स्तर पर किसानों और व्यापारियों को अपनी गतिविधियों के विस्तार के लिए हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार ने किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। राज्य सरकार ने तुअर से मंडी टैक्स हटाया है, इससे दाल मिल उद्योग को लाभ मिलेगा। उड़द और मसूर पर भी राहत देने का विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में दालों का विशेष महत्व है। मूंग और मसूर की दालों पर मुहावरे बन गए। दालों से हमें प्रोटीन मिलता है। यह गर्व का विषय है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और उपभोक्ता देश है। शाकाहारी संस्कृति में दालें प्रोटीन का सबसे बड़ा स्त्रोत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इन्दौर में ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के ग्रेन-एक्स इंडिया प्रदर्शनी अंतर्गत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रदेश में दूध और दलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में मसूर और उड़द उत्पादन को बढ़ाने के लिए शीघ्र ही बोनस देने की योजना तैयार की जाएगी। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे किसानों सहित उद्यमियों को भी लाभ होगा, इंदौर में उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव मदद की जाएगी। मध्यप्रदेश देश के मध्य में है, यहां से रोड, रेल और हवाई हर तरह की बहुत अच्छी कनेक्टिविटी है। प्रदेश में एयरकार्गो के विकास की दिशा में प्रयास जारी हैं, जिससे व्यापार व्यावसाय विस्तार को गति मिलेगी।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन की तीन दिवसीय प्रदर्शनी ग्रीन एक्स का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में दाल मिलिंग, मसाला मशीनरी, फ्लोर मिल, राइस मिल सहित अन्य अत्याधुनिक तकनीकी उपकरण प्रदर्शित किए गए हैं। इस प्रदर्शनी में कनाडा, तुर्की, ताइवान, स्पेन, ब्रिटेन, चीन, इंग्लैंड सहित भारत के विभिन्न शहरों से आई आधुनिक मशीनों का भी प्रदर्शन किया गया है।

स्वामीनारायण मंदिर में किये दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के पहले स्वामीनारायण मंदिर पहुँचकर दर्शन कर पूजा–अर्चना की। उनके साथ अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

भारत ने छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता

- इंग्लैंड को 100 रन से हराया

हरारे (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच अंडर-19 वनडे विश्व कप का खिताबी मुकाबला खेला गया। यह मुकाबला हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान में खेला गया। भारत ने 411 रन बनाए, जवाब में इंग्लैंड को 311 रन पर समेट दिया। यह टीम इंडिया का छठा अंडर-19 विश्व कप खिताब है। फाइनल में भारत ने वैभव सूर्यवंशी के शानदार शतक के दम पर इग्लैंड के सामने 50 ओवरों में नौ विकेट खोकर 411 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया है। ये पहली बार है जब किसी टीम ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइन में 400 का आंकड़ा पार किया है।

वैभव ने इस मैच में 80 गेंदों पर 15 चौके और 15 छक्कों की मदद से 175 रनों की पारी खेली है। वैभव का ये शतक अंडर-19 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे तेज शतक है। उनके अलावा आयुष म्हात्रे ने 51 गेंदों पर 53 रन बनाए जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल रहे। अंत में अभिज्ञान कुंडू ने 31 गेंदों पर 40 रनों की पारी खेली जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल रहा।

कैलब का शतक

40 ओवर के बाद इंग्लैंड ने नौ विकेट पर 307 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड को 60 गेंद में 105 रन की जरूरत है। कैलब फाल्कनर ने शतक जड़ा है।

सीधी में पहाड़ी पर मिला रहस्यमयी जीवाश्म

12 मीटर लंबी हड्डियां, दांत, 5 दिन बाद भी नहीं पहुंची पुरातत्व विभाग की टीम

सीधी (नप्र)। सीधी जिले के ग्राम कोरौली कला के अतरौला पहाड़ी पर संदिग्ध जीवाश्म (फॉसिल) मिला है। सिहावल जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों के अनुसार, यहां 11 से 12 मीटर लंबी विशाल हड्डियां देखी गई हैं। इस खोज से इलाके में उत्सुकता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग और सिहावल एसडीएम को इसकी सूचना दी थी।

बच्चों ने बिखेरी हड्डियां- अतरौला निवासी नारायण केवट ने बताया कि जब उन्हें पहाड़ी पर विशाल हड्डियां दिखीं, तो उन्होंने सरपंच को सूचित किया। हालांकि, मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस दौरान कुछ बच्चों ने हड्डियों को इधर-उधर फेंकना शुरू कर दिया, जिससे ऐतिहासिक साक्ष्यों को नुकसान पहुंचने का खतरा पैदा हो गया। नारायण केवट ने स्वयं पहल करते हुए बिखरी हड्डियों को एकत्र कर एक स्थान पर सुरक्षित रखा। ग्राम पंचायत से जुड़े राम सुमिरन पटेल ने बताया कि इस घटना को करीब पांच दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक किसी भी विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा है।

जानकारी के बाद भी टीम नहीं पहुंची

सिहावल की एसडीएम और पुरातत्व विभाग की अधिकारी प्रिया पाठक ने बताया कि उन्हें इस संबंध में जानकारी मिली है। उन्होंने पुरातत्व विभाग से संपर्क करने का प्रयास किया है, लेकिन अभी तक कोई विशेषज्ञ टीम मौके पर नहीं पहुंची है। वन विभाग को भी स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सूचित किया गया है।

टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज आज से

- मुंबई में यूएसए के साथ भारत खेलेगा पहला मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप कल शनिवार से शुरू हो रहा है। इनमें 20 टीमों के 300 प्लेयर्स हिस्सा लेंगे। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में हो रहे इस टूर्नामेंट में 4 अलग-अलग ग्रुप में मैच होंगे। टीमों में अफगानिस्तान और नेपाल की टीमें सबसे युवा हैं, दोनों की औसत आयु 25-25 साल है। जबकि न्यूजीलैंड और यूएसए की टीमें सबसे उम्रदराज हैं। इनमें औसत आयु 31-31 साल है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चर्चा ग्रुप ऑफ डेथ को लेकर है। इस बार यह टैग ग्रुप-डी को मिला है। जिसमें पिछली बार की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका के साथ 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और पिछली सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान शामिल हैं। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान जैसी राइवल टीमों के अलावा ग्रुप-सी में 2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज भी आमने-सामने हैं। ग्रुप-ए में डिफेंडिंग चैंपियन भारत और पाकिस्तान जैसी राइवल टीमें हैं। जबकि नीदरलैंड, यूएसए और नामिबिया भी इस ग्रुप का हिस्सा हैं। कागजों पर भारत और पाकिस्तान को मजबूत दावेदार माना जा रहा है, लेकिन पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में अमेरिका ने पाकिस्तान को हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया था। 2024 में पहली बार वर्ल्ड कप खेलने वाली अमेरिकी टीम ने 2009 की चैंपियन पाकिस्तान को सुपर ओवर में मात देकर इतिहास रचा था। ऐसे में ग्रुप-ए में किसी भी टीम को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 07 फरवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पार्षद की तीसरी शादी,बेटे ने की सौतेली मां की हत्या

बेटी बोली- साहिल और उसके दोस्त ने मम्मी को मारा, बीच सड़क चाकू घोंपे

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर में भाजपा पार्षद की पत्नी की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि वार्ड नंबर 15 से भाजपा पार्षद शाहिद मेव के बेटे ने पिता की तीसरी शादी से नाराज होकर सौतेली मां की हत्या कर दी। आरोपी बेटे का नाम साहिल बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, शाहिद मेव ने करीब सात महीने पहले रुबीना से तीसरा निकाह किया था। इस पर साहिल ने रंजिश पाल ली थी। पारिवारिक तनाव और गुस्से के चलते उसने अपनी सौतेली मां को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

बता दें गुरुवार शाम करीब 5.30 बजे अभिनंदन नगर में रुबीना की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हमला उस समय हुआ, जब वह मदारपुरा स्थित मायके से ऑटो में सवार होकर किराए के मकान लौट रही थीं।

रूबीना, मृतक

वह मकान के पास पहुंची, तभी अपाचे बाइक पर सवार दो युवक आए। एक युवक ने चाकू से रुबीना के पेट, सीने और सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले आरोपी फरार हो गए। लहूलुहान रुबीना को शाहिद जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के समय बिजली बंद, सीसीटीवी में नहीं हुई रिकॉर्डिंग- घटना के समय बिजली बंद होने के कारण घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों में वारदात रिकॉर्ड नहीं हो सकी। हालांकि, पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों के कैमरों के फुटेज खंगाले हैं। पुलिस के अनुसार मिले सुरागों से यह स्पष्ट हुआ है कि घटना को सौतेले बेटे ने ही अंजाम दिया है।

रुबीना का चौथा निकाह था, एक बेटा और बेटी भी है- जानकारी के अनुसार, रुबीना की पहली शादी करीब 10 साल पहले जावरा में हुई थी, जो 8 साल बाद तलाक में बदल गई।

दूसरी शादी तलाक के एक साल बाद दिल्ली के एक व्यक्ति से हुई, जो डेढ़ साल चली। तीसरी शादी भीलवाड़ा में हुई, जिससे उन्हें एक 6 वर्षीय बेटा और 4 वर्षीय बेटी है। कुछ साल बाद यह रिश्ता भी टूट गया। करीब सात महीने पहले रुबीना ने शाहिद मेव से चौथा निकाह किया था।

मासूम बेटी ने की हत्यारे की पहचान

मीडिया के हाथ रुबीना की मासूम बेटी का एक वीडियो भी लगा है। वीडियो में बच्ची रोते हुए बताती है कि दो लड़के आए थे, जिनमें एक साहिल था और दूसरा उसका दोस्त था, जिसने उसकी मां को चाकू मारा। ऑटो चालक सीताबाई डाबी ने बताया कि रुबीना शुक्ला चौक से उनकी ऑटो में बैठी थीं। घर के पास पहुंचने पर रुबीना ने अपनी बेटी को बैठाने के लिए ऑटो रुकवाया, तभी पीछे से बाइक सवार युवक आए और कहा, तुम नहीं छोड़ रही, और चाकू से हमला कर फरार हो गए। रुबीना के भाई पीरु शाह ने कहा कि हत्या के जो भी दोषी हैं, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। इधर, पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। हालांकि, पुलिस ने पार्षद शाहिद मेव और साहिल के साथ बताए जा रहे सोहेल के पिता भुरू पहलवान को थाने बुलाकर पूछताछ की है।

लोडेड कट्टा सहित बदमाश गिरफ्तार

अड़ीबाजी के आरोप में फरार चल रहा था, मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। टीटी नगर पुलिस ने गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात लोडेड कट्टा लेकर घूम रहे बदमाश को दबोच लिया। उसके पास से कट्टा व कारतूस बरामद कर लिए। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। आरोपी अड़ीबाजी के मामले में फरार चल रहा था।

हेड कांस्टेबल रविंद्र पाल के मुताबिक रात में मुखबिर से सूचना मिली थी कि अटल पथ के पास एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से लोडेड कट्टा मिला। पुलिस पूछताछ में आरोपी युवक ने अपना नाम संजय अहिरवार उर्फ सरकार बताया। वह निशातपुरा का रहने वाला है, और अड़ीबाजी के मामले में फरार चल रहा है। इतना ही नहीं उसके खिलाफ स्थाई वारंट भी हैं। जिसमें वह फरार चल रहा था।

राबड़ी देवी नाम बताएं 24 घंटे में जेल भेजेंगे

- नीट छात्रा मामले पर सम्राट चौधरी की खुली चुनौती

पटना (एजेंसी)। बिहार में नीट छात्रा मौत मामले को लेकर राबड़ी देवी ने जो आरोप लगाए, उस पर राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि विपक्ष सिर्फ राजनीति कर रहा है। राबड़ी देवी पूर्व मुख्यमंत्री हैं। उनसे ऐसी उम्मीद नहीं थी। अगर राबड़ी देवी को पता है कि किसी मंत्री का बेटा रेप केस में शामिल है, तो उन्हें उस व्यक्ति का नाम बताना चाहिए। बता दें, बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान राबड़ी देवी ने नीट छात्रा के मामले को उठाते हुए कहा था कि इस मामले में कोई मंत्री या मंत्री का बेटा शामिल है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राबड़ी देवी बिहार की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। अगर उन्हें पता है कि इस मामले में किसी मंत्री या मंत्री का बेटा शामिल है तो उन्हें जनता के सामने स्पष्ट रूप से नाम बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर नाम सार्वजनिक नहीं किया जाता है, तो इसका अर्थ है कि वो साक्ष्यों को छुपाने की कोशिश कर रही है।

हेल्थ ऑफिसर ने महिला को पीटा...

खंडवा में बाल खींचकर खेत में पटका, बेहोश हुई; पीड़िता बोली- पुलिस ने गला मरोड़ा

खंडवा (नप्र)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में गुरुवार को बैडियावं में पोस्टेड सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) ने आदिवासी महिला को बाल खींच-खींचकर पीटा। खेत में घसीटा भी

है। मारपीट से महिला बेहोश हो गई। पिटाई करने का वीडियो सामने आया है। मामला पंधाना थाना क्षेत्र टाकली कला गांव का है।

जानकारी के मुताबिक ठाकुर रुस्तम, पिंकी बाई और कुंवरसिंह खेत में काम कर रहे थे। महिलाएं भी खेत में फसल की देखरेख कर रही थीं, तभी सीएचओ मनीषा वासुले कुछ लोगों को साथ लेकर पहुंची। दोनों पक्ष जमीन को लेकर अपना-अपना दावा करने लगे।

एक-दूसरे के बाल खींचे और मारपीट की- मनीषा वासुले ने कहा कि यह हमारी जमीन है। मैंने इसे खरीदा है। पिंकी बाई ने भी कहा कि यह हमारी जमीन है। हमने इसमें खेती की है। हम खेत नहीं छोड़ेंगे। इसके लिए 8 लाख रुपए दिए हैं। इससे पिंकी और मनीषा के बीच झगड़ा हो गया। दोनों ने एक-दूसरे के बाल खींचे और मारपीट की।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पिंकी को गिराने के बाद विवाद और अधिक उग्र हो गया। मनीषा के साथ आए लोगों ने खेत में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। दवाई का छिड़काव करने की कोशिश की। महिलाओं ने विरोध किया तो मारपीट की। विवाद की जड़ जमीन का स्वामित्व है।

पीड़िता बोली- महिला पुलिसकर्मी ने गला मरोड़ने की कोशिश की- पिंकी बाई ने बताया कि मारपीट के बाद मनीषा ने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस बुला ली।

- आरबीआई ने ब्याज दर 5.25 फीसदी पर बरकरार रखी

रेपो रेट में बदलाव नहीं | लोन महंगा नहीं होगा

मुंबई (एजेंसी)। इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 6 फरवरी को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी, आरबीआई ने दिसंबर में ब्याज दर 0.25 घटाकर 5.25 फीसदी की थीं। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है और वो इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। रिजर्व बैंक ने एक नया फ्रेमवर्क लाने का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत छोटे अमाउंट वाले फ्रॉड ट्रांजेक्शन में नुकसान झेलने वाले ग्राहकों को 25 हजार तक का मुआवजा दिया जाएगा। गवर्नर मल्होत्रा ने कहा- आप सभी जानते हैं कि हाल के दिनों में कई धोखाधड़ी वाले ट्रांजेक्शन हुए हैं, जिन्हें रोकने के लिए रिजर्व बैंक ने कई कदम उठाए हैं। इसी सिलसिले में हम डिजिटल पेमेंट की सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर एक डिस्कशन पेपर भी जारी करने वाले हैं। इन उपायों में क्रेडिट लिमिट की लेयरिंग और बुजुर्गों जैसे खास तरह के यूजर्स के लिए एक्स्ट्रा ऑथेंटिकेशन (सुरक्षा की अतिरिक्त जांच) शामिल हो सकते हैं। आरबीआई के मुताबिक महंगाई को लेकर स्थिति फिलहाल राहत भरी है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्त वर्ष 2026 के लिए रिटेल महंगाई दर के अनुमान को 2 से बढ़ाकर 2.1 फीसदी कर दिया है। इन आंकड़ों से संकेत मिलता है कि थोड़े समय के लिए कीमतों में थोड़ी तेजी आ सकती है, लेकिन कुल मिलाकर महंगाई दायरे के भीतर ही रहेगी।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 3 नक्सली हुए ढेर

- 1 जवान भी शहीद, गढ़चिरौली में एनकाउंटर

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने 3 नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया, जबकि एक अन्य जवान घायल हुआ है। घायल जवान को एयरलिफ्ट कर अस्पताल लाया गया है। मौके से एक एके-47 और एक राइफल बरामद की गई है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मुठभेड़ की पुष्टि महाराष्ट्र पुलिस ने की है। यह पूरा मामला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तहसील क्षेत्र का है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में सर्चिंग पर निकली फोर्स की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। इस दौरान सी-60 के जवान, कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हेलीकॉप्टर से ले जाने के बाद इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ा है।

हादसे में बाइक का पहिया उड़ा, तीन की मौत

बड़वानी में सामने से टकराई थी पिकअप, सात लोग सवार थे

बड़वानी (नप्र)। बड़वानी में एक बाइक और पिकअप वाहन आमने-सामने टकरा गए। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। छह लोग घायल हैं। हादसा गुरुवार देर रात बरू फाटक और ठीकरी के बीच हुआ। ठीकरी थाना पुलिस के मुताबिक, हादसा घोलनिया फाटे (गोलानिया फाटा कट पॉइंट ए बी रोड) के पास हुआ। बाइक पर सवार दो युवक ठीकरी से जुलवानिया की ओर जा रहे थे, जबकि पिकअप वाहन बरूफाटक से ठीकरी की ओर आ रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक का अगला पहिया निकलकर दूर जा गिरा। हादसे में बाइक सवार विनोद मुजाल्दे (19) और राजेश मुजाल्दे (22) की मौत हो गई। दोनों बालकवाड़ा के रसवां गांव के थे। वहीं पिकअप सवार एक महिला रोशनी सस्ते 20 वर्ष, निवासी समरतलाई, थाना ठीकरी ने भी दम तोड़ दिया।

घायल बड़वानी जिला अस्पताल रेफर- पिकअप पलटने से उसमें सवार दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। इनमें रोशनी द्वार (19) निवासी समरतलाई और केसरी बाई पति सोनू (42) निवासी समरतलाई शामिल हैं। इन दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल बड़वानी रेफर किया गया है।

जनता ने नकार दिया, आपको बस पब्लिसिटी चाहिए

- प्रशांत किशोर की जनसुराज को एससी की कड़ी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें बिहार विधानसभा चुनाव, 2025 को चुनौती दी गई थी और नए चुनाव कराने की मांग की गई थी। जब कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करने में अनिच्छा जताई तो याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट जाने की आजादी के साथ इसे वापस लेने का फैसला किया। ऐसे में सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने याचिका को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट चंदर उदय सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही दूसरे मामलों में फ्रीबीज के मुद्दे की जांच कर रहा है। सिंह ने कहा,हर राज्य में आचार संहिता लागू है।

विकसित भारत को अपना सपना बनाएं : पीएम मोदी

- पीएम बोले-एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने बच्चों को असम के गमछे पहनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को परीक्षा पे चर्चा में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए। पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं।

खुद पर भरोसे से भगाएं कोई भी डर

स्टूडेंट ने सवाल किया कि प्रेजेंटेशन देते समय मैं घबरा जाता हूं। इस डर को कैसे भगाऊं। पीएम ने कहा-कभी देखा है कि फुटपाथ पर कोई गरीब महिला भी जब टीवी पर किसी घटना के बारे में बताती है तो कितने आत्मविश्वास से बात करती है। क्या उसने इंटरव्यू की कोई प्रैक्टिस की है? नहीं। उसका आत्मविश्वास आता है सच्चाई है। उसे पता है कि उसने क्या देखा है।

- **मार्क्स-मार्क्स की बीमारी से बचो** - एक स्टूडेंट के सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने कहा- पता नहीं ये मार्क्स- मार्क्स की बीमारी कैसे फैल गई है। आप लोगों को पिछले साल के टॉप 1 से 10 तक के नाम याद हैं क्या। ये उपलब्धि तो कुछ देर के लिए होती है। हमें ये देखना चाहिए कि पढ़ाई से हमारे जीवन पर क्या असर हुआ है। न कि ये कि हमारे मार्क्स कितने आए हैं। एक स्टूडेंट ने पीएम से सवाल किया कि स्किल जरूरी है या मार्क्स पीएम मोदी ने कहा कि इस सवाल का कोई सही जवाब नहीं है।

नारेबाजी के बाद लोकसभा सोमवार तक स्थगित

- बिट्टू बोले-राहुल पीएम की पाठशाला जाएं तो कामयाब होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा और नारेबाजी हुई। पहली बार 3 मिनट और दूसरी बार 7 मिनट तक ही कार्यवाही चल सकी। इसके बाद लोकसभा 9 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही जारी है। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- उन्हें कल सबने बालक कहा। आज पीएम की पाठशाला थी, जिसमें बच्चों को कामयाब होना बताया गया। अगर राहुल भी पीएम की पाठशाला में चले जाएं तो जिंदगी में कामयाब हो जाएंगे। गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास कर दिया गया।

मणिपुर में नए डिप्टी सीएम के विरोध में भड़की हिंसा

- प्रदर्शनकारियों ने मचाया उत्पात,टायर जलाए,

सुरक्षाबलों को बनाया निशाना

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार शाम हिंसा भड़क गई। नए उपमुख्यमंत्रियों नेम्चा किपेन और लोसी दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ प्रदर्शन हिंसक हो गया। जिले के तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में सैकड़ों युवा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को वापस उनकी बैरक में धकेलने की कोशिश की। जब सुरक्षाबलों ने बात मानने से इनकार कर दिया तो पत्थरबाजी शुरू हो गई। कुछ लोगों ने सड़क के बीच में टायर जला दिए। आदिवासी संगठन जॉइंट फोरम ऑफ सेवन ने कुकी-बहुल चुराचांदपुर में शुक्रवार सुबह 6 से 12 घंटे का बंद बुलाया है। वहीं, कुछ संगठनों ने नेम्चा किपेन को मारने वाले को 20 लाख और विधायकों एलएम खाउते, एन सेनाते को मारने वाले को 10-10 लाख इनाम देने का

ऐलान किया है। नई सरकार में नेम्चा किपेन के डिप्टी सीएम बनने पर कुकी समुदाय बंट गया है। एक संगठन ने विश्वासघात का आरोप लगाकर सामाजिक बहिष्कार की घोषणा की है।

पाकिस्तानी शिया मस्जिद में नमाज के दौरान ब्लास्ट

- आत्मघाती हमले में 70 लोगों की मौत, 169 घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद (इमामबाड़ा) में आत्मघाती हमला हुआ। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, हमले में 70 लोगों की मौत हो गई है और 169 घायल हुए हैं। पुलिस और रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है और राहत का काम शुरू कर दिया है। अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया और घायलों को वहां पहुंचाया जा रहा है। इस्लामाबाद के पुलिस चीफ ने पूरे शहर में इमरजेंसी घोषित कर दी है। अधिकारियों को आशंका है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में मारे गए लोगों के लिए शोक जताया है। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को निशाना बनाना इंसानियत के खिलाफ है।

पुलिस के बड़े अफसर लगाएंगे 'जनता दरबार'

मंत्री हर्ष संघवी के दखल पर गृह विभाग की नई व्यवस्था

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में बीजेपी के पांच विधायकों के 'लेटर कांड' के बाद सरकार का बड़ा फैसला सामने आया है। गृह विभाग ने राज्य के बड़े शहरों को छोड़कर सभी जिलों में आईजी और एसपी के बीच में तीसरी आंख बैठा दी है। इन्हें पुलिस प्रभारी अधिकारी कहा जा सकता है। राज्य सरकार के गृह विभाग ने मुख्यालय में विभिन्न जिम्मेदारियों को संभाल रहे एडीजीपी, आईजी और डीआईपी रैंक के अफसरों को जिले अलॉट कर दिए हैं। इन असफरों को महीने में दो विजिट करने का आदेश दिया गया है। इन विजिट में ये ऑफीसर्स हर प्रकार की समस्याओं को सुनेंगे और फिर फॉलोअप भी लेंगे। अफसर अपने दौरे का पहले ऐलान करेंगे और हर दौरे में नए थाने में पहुंचेंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा थाने कवर किए जा सकें। ऑफीसर्स दौरे के बाद अपनी रिपोर्ट डीजीपी और गृह विभाग को भेजेंगे। सूत्रों की मानें तो इंचार्ज डीजीपी का चार्ज संभालने के बाद 1992 बैच के आईपीएस डॉ. के एल एन राव की पिछले दिनों गृह विभाग संभाल रहे उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के साथ एक बेहद अहम बैठक हुई थी।

लेसन प्लान विद्यार्थियों के साथ पूर्व से ही साझा करें

● प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जबलपुर के छात्र आयुष के प्रश्न पर दिया जवाब ● स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने नरसिंहपुर जिले के ग्राम तेंदूखेड़ा में विद्यार्थियों के साथ सुने प्रधानमंत्री श्री मोदी के परीक्षा मंत्र

प्रदेश के विद्यालयों में हुआ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण, शासकीय सुभाष स्कूल में हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद कर परीक्षा से जुड़े तनाव और शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उत्कृष्ट विद्यालय, जबलपुर के छात्र श्री आयुष तिवारी ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से प्रश्न किया कि कई बार वे शिक्षकों की पढ़ाने की गति से तालमेल नहीं बिठा पाते हैं, उसे कैसे मैच करें? इस पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विद्यार्थियों को समझाते हुए शिक्षकों से भी आग्रह किया कि अपने अध्यापन की स्पीड विद्यार्थियों के सीखने की गति के अनुरूप रखें। लेसन प्लान विद्यार्थियों के साथ पूर्व से ही साझा करें। विद्यार्थी वह चेप्टर पहले से पढ़ें, अध्ययन करें जो शिक्षक भविष्य में कक्षा में पढ़ाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की गति से सामंजस्य बैठाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि पहले अपने को जोड़ो, फिर मन को जोड़ो। उसके बाद पढाई के विषय शुरू करो। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मन को जोड़ने का अर्थ है, विषय की तमाम जानकारियां जुटाना और जोड़ने का अर्थ है, एकाग्रता बनाए रखना। इससे आपकी समझ मजबूत होगी और आप एक कदम आगे चलेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विद्यार्थियों के साथ आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में तनावमुक्त जीवन, समय प्रबंधन, अनुशासन, जीवन कौशल एवं व्यवसायिक विकास के महत्वपूर्ण मंत्र दिए। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

2018 से लगातार हो रहा आयोजन

प्रधानमंत्री श्री मोदी वर्ष 2018 से परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान परीक्षाओं के तनाव को दूर करने के लिए विद्यार्थियों से संवाद करते हैं। इस वर्ष यह कार्यक्रम का 9 वां संस्करण था। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश भर से आये विद्यार्थियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विभिन्न संचार माध्यमों पर किया गया।

जिसने समय का सही प्रबंधन कर लिया, वह जीवन में कभी असफल नहीं होता: शिक्षा मंत्री श्री सिंह

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर जिले के ग्राम तेंदूखेड़ा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी के परीक्षा मंत्र सुने। मंत्री श्री सिंह ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से प्रधानमंत्री के द्वारा दिए गए सूत्रों और विचारों को आत्मसात कर परीक्षाओं की तैयारी करने का आग्रह किया।

शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय भोपाल में हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम- परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का भोपाल के शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में राज्य स्तरीय कार्यक्रम हुआ। यहां पर स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल ने विशिष्ट जनों, वरिष्ठ अधिकारी, अभिभावक और विद्यार्थियों के साथ सजीव प्रसारण में सहभागिता की। संचालक लोक शिक्षण श्री केके द्विवेदी सहित कार्यक्रम के नोडल अधिकारी संयुक्त संचालक श्री एच.एन. नेमा भी उपस्थित रहे।

प्रदेश में राज्य शैक्षिक अनुसंधान, प्रशिक्षण परिषद ,सभी जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थानों और प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय एवं शासन से अनुदान प्राप्त विद्यालयों में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रदेश के स्कूलों में टीवी प्रसारण के अलावा, इंटरनेट एक्सेस डिवाइस (कंप्यूटर, लैपटॉप इत्यादि) पर भी कार्यक्रम देखने की सुविधा स्थापित की गई थी।

9 फरवरी को होगा अगला प्रसारण- परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का अगला प्रसारण 9 फरवरी 2026 को होगा। जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी देश के विभिन्न अंचलों के विद्यार्थियों के साथ चर्चा करेंगे। यह कार्यक्रम विभिन्न संचार माध्यमों पर सुबह 10 बजे से प्रसारित किया जायेगा। प्रदेश के विद्यालयों में उक्त कार्यक्रम के सजीव प्रसारण की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कांग्रेस ने प्रदेश की जनता से मांगी घोटालों की जानकारी

● सरकार बजट प्लानिंग में व्यस्त, विपक्ष ने जनता की समस्याओं और घोटालों का ब्यौरा मांगा

भोपाल (नप्र)। एक ओर मोहन सरकार प्रदेश के जागरुक लोगों से मिले बजट सुझावों को कम्पाइल कर 18 फरवरी को पेश होने वाले बजट में उसे स्थान देने की तैयारी में जुटी है तो दूसरी ओर विपक्ष के नेता ने सरकार से सीधा सवाल करने प्रदेश के नागरिकों से समस्याओं की जानकारी मांगी है। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक व्हाट्सएप नम्बर भी रिलीज किया है जिसमें समस्याओं, घोटालों की जानकारी के साथ प्रमाण भी देने के लिए कहा गया है।

व्हाट्सएप नम्बर जारी कर मांगी जानकारी- नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने एक्स पर अपने अकाउंट में लिखा है कि मध्यप्रदेश विधानसभा बजट सत्र 2026 में प्रदेश के लोग सरकार से करें सीधा सवाल। इसमें कहा गया है कि क्या आप यानी लोग सिस्टम की नाकामियों से त्रस्त हैं? क्या भ्रष्टाचार, माफिया राज, अत्याचार, विभागीय लापरवाही या भर्ती घोटालों से जुड़े किसी सच को सामने लाना चाहते हैं? ऐसा चाहते हैं तो अब आपकी आवाज विधानसभा तक पहुंचेगी। सिंघार ने लिखा है कि विधानसभा में विपक्ष आपके यानी प्रदेश के लोगों के सवालों पर जिम्मेदारों से जवाब लेगा।

सिंघार ने प्रदेश की जनता से आह्वान किया है कि अगर उनके पास इन मुद्दों से जुड़ी कोई भी जानकारी, दस्तावेज, फोटो, वीडियो, कॉल रिकार्डिंग या अन्य ठोस प्रमाण हैं तो उन्हें साझा करें। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष ने अपना व्हाट्सएप नम्बर और ई-मेल भी एक्स पर साझा किया है। साथ ही कहा है कि शिकायत करने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

बजट तैयारी में जुटी सरकार- दूसरी ओर मोहन यादव सरकार प्रदेश के आगामी बजट की तैयारियों में जुटी है। मोहन सरकार के तीसरे बजट के लिए वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा और उनकी पूरी टीम इस समय विभागों से मिले प्रस्तावों, नई घोषणाओं और पूर्व में हुई घोषणाओं पर अमल की डिटेल को कम्पाइल करने में जुटे हैं ताकि 16 फरवरी को शुरू होने वाले विधानभा के बजट सत्र के दौरान सरकार जनता के हितों के बजट को मूर्त रूप दे सके। एमपी सरकार का बजट 18 फरवरी को सदन में पेश किया जएगा।

राज्यसभा में बोले दिग्विजय सिंह

मप्र के बासमती में पंजाब के व्यापारी जीआई टैग लगाकर मुनाफा कमा रहे हैं

भोपाल (नप्र)। मप्र को बासमती चावल पर जीआई टैग न मिलने का मुद्दा गुरुवार को राज्यसभा में दिग्विजय सिंह ने उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर साल 4 लाख टन बासमती चावल का उत्पादन होता है, जो गुणवत्ता में अन्य राज्यों से बेहतर है। बावजूद इसके जीआई टैग न होने से यह चावल पंजाब जा रहा है, जहां व्यापारी अपना टैग लगाकर मुनाफा कमा रहे हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि मप्र के किसानों को सोची-समझी साजिश के तहत हक से वंचित किया जा रहा है और इसमें राज्य सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। उन्होंने बताया कि मप्र को 2013 में जीआई टैग मिला था, जिसे 2016 में निरस्त कर दिया गया।

यह है मप्र के बासमती का जीआई टैग का मामला- मप्र में बासमती चावल के जीआई टैग को लेकर विवाद कृषि और खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के बीच 16 सालों से चल रहा है। एपीडा का तर्क है कि बासमती एक विशेष भौगोलिक पहचान है, जो केवल हिमालय के तलहटी वाले भारत-गंगा के मैदानी इलाकों में पैदा होता है। वर्तमान में बासमती का जीआई टैग 7 राज्यों पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर के कुछ हिस्से के पास है। मप्र के सीहोर, नर्मदापुरम, विदिशा, रायसेन, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, जबलपुर और नरसिंहपुर जिले में बासमती चावल होता है । मप्र की जीआई टैग को लेकर लड़ाई - 2008 में एपीडा में बासमती चावल के लिए जीआई टैग के लिए आवेदन किया। 2010 में मप्र ने इसमें शामिल होने की मांग की। 2016 में बासमती को जीआई टैग मिला, लेकिन मप्र को इससे बाहर रखा गया। 2020-21 में मद्रास उच्च न्यायालय ने मप्र की याचिका खारिज कर दी, जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया और फिर से विचार के लिए हाईकोर्ट के लिए भेजा।

राज्यपाल श्री पटेल बच्चों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में हुए शामिल

लोक भवन आए विद्यार्थियों ने कहा- पीएम श्री मोदी का मार्गदर्शन सरल, रोचक और प्रेरक

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने लोकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' को छात्र-छात्राओं के साथ लोक भवन में देखा। इस अवसर पर लोक भवन के जवाहर खण्ड में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी और लोक भवन परिसर में रहने वाले परिवारों के बच्चे उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का यह कार्यक्रम अभूतपूर्व है। देश के प्रधानमंत्री का विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद सार्थक और नवाचारी है, जो विद्यार्थियों को जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देता है। चुनौतियों के समाधान के लिए नई प्रेरणा और आत्मबल प्रदान करता है। परीक्षा काल के दौरान आने वाली चुनौतियों और कठिनाईयों को दूर करने के तरीके और तकनीक बताता है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम केवल परीक्षा की तैयारी तक सीमित नहीं है। सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा से जुड़े तनाव का प्रबंधन सिखाता है। यह जीवन में संतुलन, अनुशासन और आत्मबल विकसित करने का मार्गदर्शन भी देता है। तनाव मुक्त रहना, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना और सोच को सकारात्मक बनाने की प्रेरणा उज्जवल भविष्य निर्माण का रास्ता है।

विद्यार्थियों ने कहा - प्रधानमंत्री श्री मोदी के सरल, रोचक और प्रेरक संदेशों ने बढ़ाया आत्मविश्वास- राज्यपाल श्री पटेल द्वारा प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिये गए आमंत्रण से विद्यार्थी अभिभूत थे। सभी विद्यार्थियों ने इस अवसर को अपने जीवन का एक अद्भुत, प्रेरक और अविस्मरणीय अनुभव बताया।

स्टूडेंट्स ने युवक को अगवा किया, पीटा

मारपीट का बदला लेने की वारदात, जान बचाने चलती कार से कूदा पीड़ित

भोपाल (नप्र)। एमपी नगर इलाके में गुरुवार शाम मारपीट का बदला लेने के लिए चार छात्रों ने मिलकर एक युवक को स्कार्पियो कार से अगवा कर लिया। आरोपियों ने युवक के साथ जमकर मारपीट की। इतना ही नहीं जब वह युवक को लेकर लौट रहे थे, तभी वह प्रगति पेट्रोल पंप के पास चलती गाड़ी से कूद गया। इसके बाद पीड़ित सीधा थाने पहुंचा और एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के बाद कोर्ट में पेश किया गया है।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है पीड़ित छात्र- एएसआई दिनेश खजूरिया के मुताबिक 23 वर्षीय अभिषेक पटेल यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। जबकि आरोपी सूर्यांश गौतम, प्रियांश पांडे, आदित्य और साहिल भी छात्र हैं। दोनों पक्ष हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं। अभी कुछ दिन पहले आदित्य ने आरोपी सूर्यांश के साथ मारपीट कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने केस भी दर्ज किया था। इस मारपीट का बदला लेने के लिए सूर्यांश अपने तीनों साथियों के साथ स्कार्पियो से चाय सुट्टा बार पर पहुंचा और अभिषेक को अगवा कर लिया।

सूने स्थान पर कार में ही युवक को पीटा- उसे वह गैमन इंडिया के पास सूने स्थान पर ले गए, जहां उसके साथ जमकर मारपीट की। बताया जाता है कि आरोपियों ने मारपीट का वीडियो भी बनाया। इसके बाद वह उसे लेकर प्रगति पेट्रोल पंप की ओर जा रहे थे, तभी वह चलती गाड़ी से कूद गया। पुलिस ने देर रात में घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया।

भोपाल में किन्नरों पर सरेराह धारदार हथियार से हमला

● आरोप नकली किन्नर गिरोह के सरगना ने हमला कराया, सोने की चेन भी झपटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोहेफिजा इलाके में किन्नरों के ऑटो को तीन बदमाशों ने सरेराह रोक लिया। आरोपियों ने चाकू मारकर एक किन्नर को घायल किया, जबकि अन्य दो के साथ हाथ और मुक्कों से मारपीट की। किन्नरों ने बदमाशों पर सोने की एक चेन झपटने का भी आरोप लगाया है।

घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:10 बजे की है। किन्नरों ने हमला कराने का आरोप नकली किन्नर गिरोह पर लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों ने लालघाटी ब्रिज पर ऑटो रोका- जानकारी के मुताबिक किन्नर पल्लवी पाठक मंगलवारा में रहती है। वह गुरू सुरैया नायक गुट की किन्नर हैं। पल्लवी का आरोप है कि ऑटो में सवार होकर मंगलवार से बैरागढ़ की ओर जा रहे थे। तभी बदमाश शाहरुख ईदगाह और उसके दो साथियों ने फिल्मी स्टाइल में लालघाटी ब्रिज पर ऑटो रोक लिया। घटना की सूचना के बाद किन्नर गुरू सुरैया नायक सहित तमाम चेले थाना कोहेफिजा पहुंच गए।

हथियारों से लैस होकर आए थे बदमाश- आरोपियों ने मारपीट करना शुरू कर दिया। तीनों हथियारों से लेस थे। बदमाशों ने पल्लवी की सोने की चेन को गले से झपटा। पल्लवी ने विरोध किया तो शाहरुख ने उसके पांव में धारदार हथियार से वार किया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

काजल ठाकुर गिरोह पर हमले के आरोप

पल्लवी का आरोप है कि काजल ठाकुर नकली किन्नर है। वह किन्नरों के एक अन्य गुट की सरगना बताती है। काजल असली किन्नरों पर अड़ीबाजी कराती है। इतना ही नहीं उनके साथ कई बार लूटपाट और मारपीट भी करा चुकी है। शाहरुख काजल का पाला हुआ बदमाश है। आए दिन किन्नरों के साथ मारपीट, लूटपाट की वारदातें काजल और किन्नर मुस्कान मिर्जा के इशारे पर करते हैं।

पल्ली पाठक गुट ने मामले में काजल और मुस्कान को भी केस में आरोपी बनाए जाने की मांग की है। पुलिस ने घायल किन्नर को मेडिकल के लिए भेजा है। कोहेफिजा थाने पर किन्नरों पर हमले की खबर के बाद बड़ी तादाद में किन्नर एकत्र हो गए हैं।

मेहनत और निष्ठा का प्रतिफल, पुरस्कार: राज्यपाल

राज्यपाल ने लोकभवन की पुरस्कृत 63 पुष्प किस्मों का किया अवलोकन

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी में प्रदर्शित लोक भवन के पुष्पों की विभिन्न किस्मों का अवलोकन किया। उन्होंने लोक भवन को प्राप्त पुरस्कारों की जानकारी ली। लोकभवन उद्यानों के रखरखाव से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

राज्यपाल श्री पटेल ने अधिकारियों-कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मेहनत और निष्ठा से किए गए कार्य सदैव उत्कृष्ट होते हैं।

उन्होंने कहा कि प्राप्त पुरस्कार कर्मचारियों की कार्य-निष्ठा और समर्पण का प्रतिफल हैं। फूलों की देखभाल में बहाया गया पसीना ही इन पुरस्कारों का प्रसाद है। राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में 63 किस्मों को पुरस्कार मिलना हर्ष और गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि पुरस्कृत किस्मों में से 42 पुष्पों को प्रथम तथा 21 पुष्पों को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त होना एक विशिष्ट उपलब्धि है।

राज्यपाल श्री पटेल लोक भवन की प्रदर्शनी में पुरस्कृत पुष्पों का अवलोकन करने के लिए लाल कोठी के सामने स्थित पुरानी तोप प्रांगण पहुँचे। उन्होंने प्रत्येक पुरस्कृत पुष्प किस्म का अवलोकन किया तथा पुरस्कारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

राज्यपाल श्री पटेल को बताया गया कि भोपाल में आयोजित कृषक कल्याण वर्ष-2026 राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी में शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी संस्थानों तथा कृषकों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों में लोक भवन के पुष्पों की बड़ी संख्या में पुरस्कार प्राप्त होने के दृष्टिगत नियंत्रक, हाउसहोल्ड लोकभवन को शील्ड प्रदान कर अलंकृत किया गया।

एम्स की डॉक्टर को लगातार तीसरी बार मिला नेशनल अवॉर्ड

डॉ. भावना शर्मा नेत्र विभाग की एचओडी , द्रोणाचार्य सम्मान के लिए भी नाम की हुई घोषणा

भोपाल (नप्र)। एम्स भोपाल के नेत्र रोग विभाग की प्रमुख प्रो. भावना शर्मा को नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में लगातार तीसरी बार 'नेशनल रिसोर्स टीचर गोल्ड प्लाक' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी (एआईएएस) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'गुरुसंगम' कार्यक्रम में दिया गया। देशभर के करीब 100 वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद डॉ. शर्मा का चयन किया गया। यह पुरस्कार शिक्षण गुणवत्ता, विषय की गहराई, प्रस्तुति की स्पष्टता और व्यावहारिक उपयोगिता जैसे मापदंडों पर दिया जाता है। प्रो. भावना शर्मा पिछले तीन सालों से गुरुसंगम मंच पर लगातार अपने व्याख्यानों के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हासिल कर रही हैं। उनके व्याख्यानों को न केवल शिक्षकों बल्कि युवा डॉक्टरों और शोधकर्ताओं ने भी काफी उपयोगी बताया।

तीन सालों में दिए व्याख्यान- पिछले तीन सालों में प्रो. शर्मा ने कॉर्नियल टोपोग्राफीः लेट्स सी द कर्व्स, वर्नल केराटोकंजंक्टिवाइटिस का प्रबंधन और कॉर्नियल डिस्ट्रॉफीज और डिजेनेरेशंस जैसे जटिल विषयों पर व्याख्यान दिए। इन विषयों को उन्होंने सरल भाषा और क्लीनिकल उदाहरणों के जरिए प्रस्तुत किया, जिससे चिकित्सकों को सीधे मरीजों के इलाज में मदद मिल सके। यही वजह रही कि उनके सत्रों को देशभर में सराहना मिली।

अब मिलेगा द्रोणाचार्य सम्मान

लगातार तीन बार गोल्ड प्लाक मिलना नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में एक दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है। इसी के चलते प्रो. भावना शर्मा को शैक्षणिक मंच पर प्रतिष्ठित 'द्रोणाचार्य सम्मान' दिए जाने की भी घोषणा की गई है। यह सम्मान उत्कृष्ट शिक्षक और मार्गदर्शक के रूप में उनके योगदान को मान्यता देता है।

संपादकीय

ये अच्छे संकेत नहीं

इस सप्ताह देश की राजधानी दिल्ली में दो ऐसी अभूतपूर्व घटनाएं घटीं जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं कही जा सकतीं। समझ बूझ से इन्हें टाला जा सकता था। पहला है संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का लोकसभा में बिना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जवाब के पारित होना और दूसरी है पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर राज्य की मुख्यमंत्री द्वारा सुप्रीम कोर्ट में खुद पेश होकर की गई पैरवी। लोकसभा में पहले स्पीकर और भाजपा सांसदों ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को चीन के मुद्दे पर बोलने से रोका तो बदले में कांग्रेस और विपक्ष ने प्रधानमंत्री को सदन में बोलने नहीं दिया। प्रधानमंत्री की कुर्सी को विपक्षी महिला सांसदों ने घेर कर नारेबाजी की। इतना हंगामा हुआ कि पीएम बोल नहीं सके। राहुल को न बोलने का बदला विपक्ष ने इस तरह से लिया। हालांकि बाद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस घटनाक्रम को लेकर जो बयान दिया, वह 'आफ्टर थॉट' ज्यादा लगा। उन्होंने कहा कि मैंने ही पीएम को सदन में आने से मना किया था। क्योंकि उनके साथ कुछ भी 'अप्रत्याशित' घट सकता था। स्पीकर ने यह बात किस आधार पर कही, यह साफ नहीं है। बेशक महिला सांसदों ने पीएम का अघोषित घेराव किया, उनके हाथों में प्लेकार्ड भी थे। लेकिन वो प्रधानमंत्री पर किसी तरह हमला करना चाहती थीं, यह मानना मुश्किल है। लोकसभा में राहुल प्रकरण को लेकर चार दिन तक हंगामा चला और धन्यवाद प्रस्ताव पर कोई चर्चा नहीं हो सकी। लोकसभा में यह प्रस्ताव बगैर चर्चा के ध्वनिमत से ही पारित हो गया। यह अपने आप में असाधारण स्थिति है। भाजपा ने इसके लिए विपक्ष को ही जिम्मेदार ठहराया है। बाद में प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में लंबा जवाब देकर राहुल गांधी और गांधी नेहरू परिवार को घेरा। उन्होंने यहां तक कहा कि इस परिवार ने एक गुजराती सरनेम भी चुरा लिया है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा लगाए गए नारे 'मोदी तेरी कबर खुदेगी' को भी खूब भुनाया और जमकर हमले किए। दरअसल पीएम का जवाब परंपरानुसार लोकसभा में ही होना चाहिए था। क्योंकि वह सीधे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का मंदिर है। लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आपसी कड़वाहट से यह परंपरा टूटी है, जो अच्छा लक्षण नहीं है। हालांकि कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भाजपा को याद दिलाया कि यह कोई पहली बार नहीं है। 19 जून 2004 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह भी धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब नहीं दे पाए थे क्योंकि उन्हें जवाब देने से रोका गया था। यही बीजेपी का ट्रैक रिकॉर्ड है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भारतीय संसद के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ कि प्रधानमंत्री को घेरकर जबरन बोलने से रोका गया हो और अध्यक्ष को उन्हें न आने के लिए कहना पड़ा हो। कुछ राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि विपक्ष के सवालों से बचने के लिए लोकसभा स्पीकर ने यह रास्ता निकाला। वैसे स्पीकर चाहते तो राहुल को बोलने दे सकते थे और बाद में उसे सदन की कार्यवाही से हटा भी सकते थे। उधर पश्चिम बंगाल की जुझारू मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने एसआईआर के मुद्दे को नई राजनीतिक धार देते हुए खुद सुप्रीम कोर्ट में जाकर पैरवी की। हालांकि भाजपा ने इसे नौटंकी बताया। ममता ने कोर्ट में कहा कि जिन एक करोड़ 20 लाख वोटर्स के नामों में गड़बड़ी का संदेह जताया गया है, उनकी लिस्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने केवल ममता की बात सुनी और चुनाव आयोग को जवाब देने का नोटिस दिया। लेकिन इस ड्रामेबाजी से ममता एसआईआर पीड़ितों की नजर में प्रतिनिधि नेत्री जरूर बन गई हैं।

संसद संवाद, सहमति और सम्मान का मंच क्यों नहीं?

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संसद है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं, मतभेदों और संवाद का सर्वोच्च स्थल है। जब संसद के भीतर ही सुरक्षा, मर्यादा और विश्वास पर प्रश्नचिह्न खड़े होने लगें, तो यह केवल किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति का संकट नहीं रह जाता, बल्कि पूरे लोकतंत्र के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा दिया गया वक्तव्य इसी संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण और चिंताजनक है। उनका यह कहना कि उन्हें ऐसी पुख्ता जानकारी मिली थी कि कांग्रेस पार्टी के कुछ सदस्य प्रधानमंत्री के आसन तक पहुंचकर कोई अप्रत्याशित घटना कर सकते थे, केवल एक राजनीतिक आरोप नहीं है, बल्कि यह भारतीय संसदीय व्यवस्था की सुरक्षा और गरिमा पर सीधा सवाल उठाता है।

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय संविधान में अत्यंत गरिमामय और तटस्थ माना जाता है। अध्यक्ष का दायित्व केवल सदन की कार्यवाही संचालित करना नहीं, बल्कि सदन की मर्यादा, सुरक्षा और निष्पक्षता सुनिश्चित करना भी है। जब इस पद पर आसीन व्यक्ति ऐसी गंभीर बात कहता है, तो उसे सामान्य राजनीतिक बयान मानकर खारिज करना न तो उचित है और न ही लोकतांत्रिक दृष्टि से जिम्मेदार। यदि वास्तव में संसद के भीतर प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर आशंका उत्पन्न हुई थी, तो यह स्थिति भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत गंभीर संकेत है। यह प्रश्न उठता है कि क्या संसद, जो देश की सर्वोच्च विधायी संस्था है, अब इतनी असुरक्षित हो गई है कि वहां देश के प्रधानमंत्री को भी खतरा महसूस किया जाए?

प्रधानमंत्री केवल एक राजनीतिक नेता नहीं होते, बल्कि वे देश की कार्यपालिका के सर्वोच्च प्रतिनिधि होते हैं। उनकी सुरक्षा केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय है। यदि संसद के भीतर ही प्रधानमंत्री को किसी अप्रत्याशित घटना का सामना करना पड़ सकता था, तो यह देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्न खड़ा करता है। संसद भवन भारत की लोकतांत्रिक शक्ति का प्रतीक है। वहां सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी होती है। यदि इसके बावजूद ऐसी आशंका उत्पन्न होती है, तो यह संकेत देता है कि राजनीतिक संघर्ष ने मर्यादा की सीमाओं को पार कर लिया है।

यह भी विचारणीय है कि ओम बिरला के बयान का राजनीतिक और संवैधानिक अर्थ क्या है। एक ओर यदि उनके कथन में सत्य का अंश है, तो यह विपक्ष की भूमिका पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। विपक्ष का कार्य सरकार की आलोचना करना, उसकी नीतियों पर सवाल उठाना और जनता की आवाज़ को संसद में

उठाना है, न कि हिंसा या अव्यवस्था को बढ़ावा देना। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन विरोध की भी एक मर्यादा होती है। यदि विरोध हिंसा या अव्यवस्था की ओर बढ़ने लगे, तो वह लोकतंत्र को कमजोर करता है, न कि मजबूत। दूसरी ओर, यदि यह बयान राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है, तो यह भी लोकतंत्र के लिए कम खतरनाक नहीं है। संसद के भीतर विपक्ष को संभावित हिंसक तत्व के रूप में प्रस्तुत करना, लोकतांत्रिक संवाद की भावना को कमजोर करता है। लोकतंत्र विश्वास पर चलता है, सत्ता और विपक्ष के बीच न्यूनतम विश्वास, संवाद और मर्यादा आवश्यक होती है। यदि सत्ता पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को संभावित खतरे के रूप में देखने लगें, तो संसद संवाद का मंच नहीं रह जाती, बल्कि संघर्ष का मैदान बन जाती है।

ओम बिरला का बयान केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक पदाधिकारी का कथन है। इसलिए इसकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच आवश्यक है। यदि वास्तव में संसद में किसी प्रकार की हिंसक योजना या षड्यंत्र की आशंका थी, तो उसका तथ्यात्मक सत्य सामने आना चाहिए। यह जांच किसी दल के हित में नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए होनी चाहिए। यदि आरोप सत्य सिद्ध होते हैं, तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। और यदि आरोप निराधार सिद्ध होते हैं, तो ऐसे गंभीर आरोप लगाने की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।

संसद की सुरक्षा का प्रश्न केवल भवन या व्यक्तियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुरक्षा का प्रश्न है। संसद में सुरक्षा का अर्थ केवल शारीरिक सुरक्षा नहीं, बल्कि विचारों की सुरक्षा, संवाद की सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा भी है। जब संसद में लगातार हंगामा, नारेबाजी, बाधा और अव्यवस्था देखने को मिलती है, तो यह लोकतंत्र की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाता है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं, बल्कि संस्थाओं की मर्यादा बनाए रखने से मजबूत होता है। यदि संसद सुरक्षित नहीं है, तो सरकार देश और देशवासियों को कैसे सुरक्षित रखेगी, यह प्रश्न अत्यंत गंभीर है। सरकार की पहली जिम्मेदारी नागरिकों की सुरक्षा है। यदि सरकार संसद के भीतर ही व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रही, तो देश के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा का दावा कितना विश्वसनीय होगा? संसद केवल सत्ता और विपक्ष का मंच नहीं, बल्कि जनता के विश्वास का केंद्र है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि संसद स्वयं असुरक्षित और अराजक हो गई है, तो लोकतंत्र पर जनता का विश्वास कमजोर हो जाएगा।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में संवाद की जगह टकराव और सहमति की जगह संघर्ष ने ले ली है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा के बजाय शोर और अवरोध की प्रवृत्ति बढ़ी है। सत्ता पक्ष विपक्ष को राष्ट्रविरोधी या अव्यवस्था फैलाने वाला बताता है, जबकि विपक्ष सत्ता पक्ष पर तानाशाही और लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाता है। इस आपसी अविश्वास का परिणाम यह होता है कि संसद, जो लोकतंत्र का मंदिर होनी चाहिए, वह राजनीतिक युद्ध का मैदान बन जाती है। ओम बिरला के बयान ने इस प्रवृत्ति को और उजागर कर दिया है। यह बयान केवल एक घटना नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की वर्तमान स्थिति का प्रतीक है। यदि संसद के भीतर प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर आशंका उत्पन्न होती है, तो यह केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि लोकतंत्र की चेतावनी है। यह चेतावनी सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए है कि यदि उन्होंने लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन नहीं किया, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो जाएगी।

इस बारे में मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। मीडिया को इस मुद्दे को केवल राजनीतिक विवाद के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र के संकट के रूप में देखना चाहिए। नागरिक समाज को भी यह समझना होगा कि संसद की गरिमा केवल नेताओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र केवल संविधान की किताबों में नहीं, बल्कि व्यवहार में जीवित रहता है।ओम बिरला का बयान हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि भारतीय लोकतंत्र किस दिशा में जा रहा है। यदि संसद में संवाद की जगह संदेह, सहयोग की जगह संघर्ष और मर्यादा की जगह आरोप ले लें, तो लोकतंत्र का भविष्य संकट में पड़ सकता है। इसलिए इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, राजनीतिक संयम और लोकतांत्रिक मर्यादा की पुनर्स्थापना अत्यंत आवश्यक है। संसद को फिर से संवाद, सहमति और सम्मान का मंच बनाना होगा। तभी भारत का लोकतंत्र सुरक्षित रहेगा, और तभी सरकार देश और देशवासियों की सुरक्षा का नैतिक अधिकार प्राप्त कर सकेगी।

चुनौतियों का जवाब देने वाला बजट 2026

प्रतिक्रिया

अवधेश कुमार

लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक महिला के रूप में और लगातार नौ बजट पेश करके रिकॉर्ड बनाया है। हमारे आपके लिए महत्वपूर्ण यह है कि उनके द्वारा प्रस्तुत बजट भारत के सभी समूहों की आकांक्षाओं, आंतरिक और बाह्य चुनौतियों व आवश्यकताओं, राजनीतिक मांग एवं नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा देश के घोषित आर्थिक विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा है या नहीं? पिछले कुछ समय से उत्पन्न वैश्विक उथल-पुथल में भारत को अपनी विकास गति बनाए रखने के साथ नए वैश्विक साझेदारी,निर्यात बाजार आदि विकसित करने तथा घरेलू उत्पादकों को नीतियों और प्रोत्साहन से समर्थन देने तथा सबके साथ समाज के निचले तबके से लेकर हर समूह की चाहत के बीच सामंजस्य बिठाने की चुनौती है। आर्थिक सर्वेक्षण में साफ कहा गया था कि वैश्विक उथल-पुथल जल्दी समाप्त नहीं होने वाला इसलिए भारत को मैराथन एवं स्प्रिंट दोनों दौड़ लगाने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज 53.47 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट पेश कर यह संदेश दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार इन चुनौतियों और संकटों को अवसर में बदलने की दृष्टि से काम कर रही है। कोई लोक लुभावन घोषणा नहीं पूरा फोकस इस बात पर कि इस उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के दौर में देश की अर्थव्यवस्था सुरक्षित, मजबूत और स्थिर होने के साथ विस्तारित भी हो, विश्व व्यापार के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हो, किशोर और युवा वर्ग को भारत राष्ट्र के लक्ष्य और रोजगार दिलाने के अनुरुप शिक्षा, रोजगार के अवसर के साथ समाज के सभी समूह के लोगों का जीवन सुरक्षित हो सहज हो तथा आवश्यक सेवाएं सहायक उपलब्ध हों ...।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्य के नाम पर लक्ष्य और बजट की सैद्धांतिक आधारभूमि स्पष्ट कर दिया। पहला, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने तथा वैश्विक उथल-पुथल के परिदृश्य में लचीलापन लाकर आर्थिक विकास को तेज करना और उसकी गति बनाए रखना। दूसरा, भारत की समृद्धि के पथ में सशक्त साझेदार बनाने के लिए लोगों की आकांक्षाएं पूरी करना और उनकी क्षमता बढ़ाना। तथा तीसरा, सरकार की सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण के अनुकूल- यह सुनिश्चित करना कि सार्थक भागीदारी के लिए प्रत्येक परिवार, समुदाय और क्षेत्र की संसाधनों, सुविधाओं और अवसरों तक पहुंच उपलब्ध हो। प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने भाषणों में व्यापक सुधारो का संकेत दिया था। वित्त मंत्री ने कहा कि हम 12 साल से आर्थिक विकास की दिशा में काम कर रहे हैं और आर्थिक सुधार की गाड़ी सही रास्ते पर है, 350 से अधिक सुधार किए हैं और अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए इसकी गति बनाए रखनी पड़ेगी। उन्होंने आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए सात क्षेत्रों में पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा- रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्रों में विनिर्माण को तेज करना। दो, विरासत के औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प करना। तीन, चैंपियन एमएसएमई का निर्माण करना। चार, आधारभूत संरचना को सशक्त प्रोत्साहन प्रदान करना। पांच, दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करना। सात, शहरों में आर्थिक क्षेत्र विकसित करना...। आप देखेंगे कि अपनी सैद्धांतिक आधारों और इन प्रक्रियाओं की दृष्टि से बजट में व्यवहारिक साहसिक और विजनरी घोषणायें हैं।

तमाम उथल-पुथल के बीच नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अपने राजकोषीय अनुशासन को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। घोषित लक्ष्यों के अनुरुप राजकोषीय घाटा 4.4% तक सीमित रखना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इसीलिए इस वर्ष के लिए 4.3% का लक्ष्य घोषित किया गया है। कर राजस्व में थोड़ी कमी है लेकिन ऐसी नहीं जिससे योजनाओं की दृष्टि से आवंटन में समस्याएं आयें। पूंजीगत खर्च जो मुख्ता आधारभूत संरचना पर खर्च होता है के लिए 12 लाख 20 करोड़ का आवंटन सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है। यह कुल बजट का लगभग 23% है। यूपीए सरकार में कभी भी पूंजीगत ब्याज 7-8% से ज्यादा नहीं गया। यहीं पर सरकार की विचारधारा नीति और दुर्गा में सोच स्पष्ट होता है कि आपका सबसे ज्यादा फोकस किस बात पर है। यानी भारत को हर क्षेत्र में कृषि से लेकर कुटीर उद्योग, ग्रामीण उद्योग, कपड़ा, हस्तकरघा, वाहन, यातायात, सूचना तकनीक.... सभी क्षेत्र की आधारसंरचना इतनी सशक्त और विकास के अनुकूल बना दिया जाए कि आने वाले वर्षों तक इन पर आर्थिक गतिविधियां खिलखिलाती मुस्कुराती तेज गति से बढ़ती रहे।

कुछ और पहलुओं पर नजर दौड़ायें । विनिर्माण, सेवा और कृषि हमारी अर्थव्यवस्था और विकास के मूलाधार हैं। कुशल और दक्ष युवा वर्ग तैयार करना भारत का बड़ा लक्ष्य है,क्योंकि जब हम यूरोपीय संघ और अन्य देशों से मोबिलिटी समझौता करते हैं तो काम करने वालों के क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार हो जाता है। बजट में शिक्षा से रोजगार और उद्यमिता के नाम से एक स्थायी उच्चाधिकार समिति का गठन होगा जो सेवा क्षेत्र को विकसित भारत का मुख्य चालाक बनने के लिए आवश्यक उपायों की अनुशंसा करेगा। 2047 तक भारत का सेवा क्षेत्र में वैश्विक हिस्सा 10 प्रतिशत तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निश्चित है। यह स्थायी समिति वृद्धि, रोजगार और निर्यात की संभावनाओं को अधिकतम करने वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देगी। आप सोचिए दुनिया भर का जो सेवा क्षेत्र है उसमें हमारा योगदान कम से कम एक दही हो इसकी दृष्टि से ही नहीं भारत दूसरे छात्रों में भी भारत और विश्व की आवश्यकताओं के अनुकूल कुशल कार्यबल तैयार करने का एक स्थायी ढांचा तैयार किया जा रहा है ।उभरती तकनीकों, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, का नौकरियों और स्किल पर प्रभाव आंकेगी और आवश्यक नीतिगत उपाय सुझाएगी। स्वास्थ्य पेशेवर बनाने वाले संस्थानों को अपग्रेड किया जाएगा जिसमें रेडियोलॉजी, एनेस्थीशिया जैसे क्षेत्रों पर फोकस होगा। अगले पांच वर्ष में एक लाख एएचपी जोड़े जाएंगे तो 1.5 लाख केयर गिवर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी, मुम्बई को 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों और पांच सौ महाविद्यालयों में ए.वी.जी.सी. कंटेंट क्रिएटर लैब (सी.सी.एल.) स्थापित करने में सहायता प्रदान किया जाएगा। आधुनिक समय में औरेंज इकोनामी दृष्टि से स्टोरी टेलिंग को क्रिएटिव आर्ट से मिलाने व गेमिंग, एनीमेशन आदि क्षेत्र का स्किल विकसित किया जाएगा। वैश्विक बायोफॉर्मा निर्माण केन्द्र के रूप में भारत को विकसित करने के लिए कुल 10,000 करोड़ रुपये से बायोफॉर्मा शक्ति की शुरुआत हो रही है जो बायोलॉजिक और बायोसिमिलरों के घरेलू उत्पादन के लिए अगले पांच वर्षों में इको-सिस्टम का निर्माण करेगी। इसकी रणनीति में तीन नए राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) और सात वर्तमान संस्थानों के उन्नयन के साथ बायोफॉर्मा पर केन्द्रित नेटवर्क बनाया जाएगा। यह 1000 मान्यता प्राप्त भारत क्लिनिक जांच स्थलों के एक नेटवर्क का निर्माण करेगा। सेमीकंडक्टर और एआई क्षेत्र में देर से आने के बावजूद अग्रणी देश बनने की दृष्टि से महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। रेयर अर्थ मिनिरल्स अन्य दुर्लभ खनिज संसाधन की संपूर्ण दुनिया में मांग है और चीन 94% बाजार पर हिस्सा रखता है। हमें भी जब चाहता है तभी देता है । घरेलू कैपिटल-गुड्स क्षमताएं बनाने और एक स्वतंत्र आपूर्ति श्रृंखला खड़ा करने का लक्ष्य बनाया गया है। इसके लिए ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे खनिज-समृद्ध राज्यों में दुर्लभ पृथ्वी संसाधनों की खोज, खुदाई और संसाधन की श्रृंखला बनेगी।

थल, जल और नभ यातायात में भारत वैसे ही दुनिया के अनेक देशों को पीछे छोड़ चुका है। एक बड़ा फोकस इस समय जल यातायात है। पर्यावरण रूप से टिकाऊ आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए पूर्वी भारत में डानकूनी से पश्चिमी भारत के सूरत को जोड़ने के लिए नए समर्पित माल गलियारे, पांच वर्षों में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्गों (एनडब्ल्यू) का संचालन, जलमार्गों और तटीय पोत परिवहन की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2047 तक 12 प्रतिशत करने के लिए तटीय कार्गोनन, सात उच्च-गति रेल कॉरीडोर विकसित करना, सी-प्लेन के स्वदेशी निर्माण के लिए प्रोत्साहन के लिए योजना आदि। इनके साकार होने के बाद कल्पना करिए कि भारत विश्व स्तरीय यातायात में कहां खड़ा होगा और यह हमारे आम जीवन से लेकर आंतरिक और विदेशी आर्थिक क्रियाकलापों के लिए कितनी बड़ी आधारभूमि होगी। तो कुल मिलाकर 2047 के विकसित भारत का लक्ष्य पाने और फिर उसके आगे सतत छलांग लगाते रहने की दृष्टि से वर्तमान एवं दूरगामी भविष्य के संभावित आवश्यकता है और चुनौतियों की दृष्टि से बजट समग्र दृष्टिकोण और योजना प्रस्तुत करती है।

इस मुंह का क्या करें साहेब...

कटाक्ष

मुकेश राठौर

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सुबह-सुबह किसी का मुंह दिख जाने पर किसी की जतरा खराब होती है या नहीं...ये तो वे जाने ! लेकिन सुबह-सुबह उनका मुंह दिख जाने पर हमारा दिन बन जाने की उम्मीद जरूर बंध जाती है। अफसोस न वो दिखते न उनका मुंह। बाज़ दफ़े कभी दिखीं भी तो सिरीफ़ उनकी पीठ। वो भी जाती हुई,जिसका बस पीछा भर किया जा सकता है। अब पीठ पर कोई आंखे तो होती नहीं जो मुझे हाथ हिलाते हुए देख लें और रुक जाए। बात-बे-बात लोग कहते हुए सुने गए हैं कि उनकी पीठ सुन रही है। गर ये सच है तो फिर पीठ के कान जरूर होते होंगे,हालांकि मेरे देखने में तो नहीं आए। हां पीठ पर नाक होने न होने को लेकर मैं आश्वस्त नहीं हूं क्योंकि मेरी उपस्थिति की सूचना पाते ही वे जिस तरह से खिसकते हैं,दावे से कह सकता हूं उनकी पीठ मुझे सूंघ लेती होगी।

बहरहाल,उनके द्वारा मुंह चुराई का यह काम कोई यूजीसी विवाद के बाद शुरू नहीं हुआ। इसे समझने के लिए आपको बैकट्रैक पर चलना होगा।...तो हुआ यूं कि यही कोई पांच साल पहले उनकी एकमात्र सगी साली साहिबा के विवाहोपलक्ष्य पर उन्हें कुछ हजार रुपयों की जरूरत पड़ीं। साली का विवाह जीजा के लिए आयकर भरने जैसा मामला होता है जमाई पद पर रहते हुए जो कुछ कमाया एक झटके में वापस खींच लिया जाता है। वे छोटा सा मुंह बनाकर आए बोलें मदद करो हे...। हमारे में तुम्हारी तरह चलताऊ लेनदेन नहीं होता। आ जाए तो मुकुट, कवच-कुंडल तक उतारकर देने पड़ जाते हैं। गर साली को मुंह मांगा उपहार न दिया तो घरवाली को मुंह दिखाने के लायक न रहूंगा बल्कि नोच-खरोंच के निशान मिटने तक जमाने को भी। प्लीज ट्रस्ट मी। दुल्हन को लिवाकर जैसे ही 'बौड़े' आए वैसे ही तुम्हारे रुपए बौड़ा दूंगा। इस 'जैसे ही' और 'वैसे ही' सुनकर मुझे उनकी बात में दम नज़र आया। मेरे मुंह से हां और जेब से रुपए निकल गए।

साली की शादी हुई। बौड़े गए और आए भी। उन्हें आना ही था। जो जाता है आता भी है। कोई पांच घंटे तो कोई पांच साल में। वे आए, बौड़े आए,साली आई...समय सहूलियत से दो नन्हे-मुन्ने बच्चे भी आए,बट लेकिन मेरे रुपए नहीं आए। उधार दिए रुपयों की तासीर है वे प्लेन से जाते हैं पैदल आते हैं। मजे की बात रुपयों को खीसे में बैठा पैदल लेवाल को नहीं देवाल को चलना पड़ता है। हाथ से दो,पैर से लो। 'गांव गए गंवार हुए' कभी घर वापसी के प्रति उदासीन मेहमानों के लिए कहा जाता था,अब उधार के रुपयों के लिए कहा जा सकता है।

पहले साल वे आते रहे बल्कि रुपए जल्द आने के वादे भी। दूसरे साल वे आते मगर वादे घर ही भूल आते। तीसरे साल उनका आना भी बंद हो हुआ,लगाने पर उनके फोन आते। चौथे साल फोन की भी इनकमिंग सेवाएं स्थगित हो गई। पांचवें साल में मैं उनकी राह निहारता फिर रहा हूं कि कोई पत्ता हिले हवा तो चलें मगर कोई पत्ता क्या पत्ती तक नहीं हिलती बल्कि हमारा मुंह तक नहीं देखना चाहते। मुंह का क्या करे साहेब ! मुंह हमारा खराब है या उनका आप बताइए?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

विकास का बतासा

विकास आजकल कोई प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक जादुई बतासा है। यह वह बतासा है जो सरकारी योजना की कड़ाही में पकता है, विज्ञापनों की चाशनी में डूबता है और अंततः जनता के मुँह में जाते ही गायब हो जाता है। बतासे की खूबी यही है, वह दिखता बड़ा है, पर होता हवा का गोला है। आजकल हर नुक्कड़ पर विकास के बतासे बाँटे जा रहे हैं।

अखबार के पन्नों से लेकर चमचमाते होर्डिंग्स तक, यह बतासा इतना सफेद और गोल दिखता है कि देखने वाले को शुगर होने का खतरा महसूस होने लगे। विकास का बतासा जैसे ही एक आम आदमी उसे चखने की कोशिश करता है, उसके हाथ लगती है सिर्फ कड़क चाशनी की खुशबू। सड़क के गड्ढे अब स्मार्ट सिटी के जल-संरक्षण प्रोजेक्ट कहे जाते हैं और महंगाई को राष्ट्रहित बताया जाता है।

बतासे की बनावट समझिए- ऊपर से ठोस, अंदर से खोखला। विकास का यह मॉडल भी ऐसा ही है। विश्व बैंक के आंकड़ों में विकास की दर का बतासा खूब फूलता है, लेकिन जब यह नीचे गिरता है, तो गरीब की थाली से दाल गायब हो जाती है। डिजिटल इंडिया का बतासा गांव-गांव पहुंच गया है, पर वहां आज भी टावर की तलाश में मोबाइल इधर-उधर घुमाना पड़ता है। यह वह बतासा है जिसे चबाना मुश्किल है और निगलना नामुमकिन, क्योंकि चुनावी वायदों का कंकड़ बहुत ज्यादा है। चुनावी मौसम में हर राजनीतिक दल अपना अलग स्वाद वाला बतासा पेश करता है। कोई कहता है इसमें जाति का केसर डालता है, तो कोई इसमें धर्म की इलायची से महकाता है। जनता भी

भोली है, वह हर पांच साल में नया बतासा चखना चाहती है और फिर दांतों के बीच पुराने को ही अगले पांच साल के लिए चुन लेती है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भले ही खर्चों का हिसाब हो, पर इस विकास के बतासे की असली लागत तो वह नागरिक चुकाता है जो आज भी अस्पताल की लाइन में खड़ा होकर अच्छे दिनों की मिठास ढूंढ रहा है।लेकिन जिंदगी फटा कच्छा बन गया है।

चुनाव आते ही विकास के बतासे बनाने वाली भट्टियाँ दहकने लगती हैं। हर नेता एक कुशल बावर्ची की तरह दावा करता है कि उसका बतासा शुद्ध देसी घी से बना है। कोई उसमें मुफ्त की रेवड़ी का तड़का लगाता है, तो कोई उसे राष्ट्रवाद की केसर से महकाता है। हर अगले चुनाव का इंतजार करती है। विकास का बतासा एक ऐसा छलावा है जो सिर्फ आंकड़ों की चाशनी में लिपटा रहता है। वास्तव में यह हवा का एक झोंका है।

हमें ऐसे विकास की जरूरत नहीं जो बतासे की तरह हवा में घुल जाए, बल्कि उस गुड़ की जरूरत है जो ठोस हो, पौष्टिक हो और जिसका स्वाद अंतिम आदमी तक पहुंचे। तब तक, आप भी विज्ञापनों के इस बतासे का आनंद लीजिए, क्योंकि सुनने में आया है कि अगली खेप में इसमें जीरो कैलोरी वाला लुभावन आश्वासन भी मिलाया जाने वाला है।

तब तक, आप भी विज्ञापनों के इस बतासे को दूर से ही निहारिए, क्योंकि करीब गए तो चाशनी की चिपचिपाहट आपके हाथ से वोट हर सकती है।

जयंती पर विशेष

अनिल कुमार गुप्ता

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

राष्ट्र-भक्ति और गांधीवादी मूल्यों के प्रतीक भाईजी

स्वतंत्रता के बाद भाईजी ने राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सौहार्द्र के लिए कार्य शुरू किया। 1969 में गांधी जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत सरकार के द्वारा संचालित गांधी रेल प्रदर्शनी को पूरे देश में ले जाने का कार्य किया। उसके बाद चम्बल के कुछ साथियों के आग्रह पर चम्बल घाटी में शांति मिशन के कार्य के लिए जौरा में महात्मा गांधी सेवा आश्रम स्थापना की। कालांतर में यही आश्रम 70 की दशक में चम्बल घाटी में हुए ऐतिहासिक बागी आत्मसमर्पण और पुनर्वास का साक्षी बना। जिसमें उन्होंने महती भूमिका का निर्वाह किया। उन्होंने 654 से अधिक बागियों को केवल हथियार छोड़ने के लिए नहीं बल्कि समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण जैसे बुजुर्ग गांधीवादियों की सहयोगी भूमिका के साथ, सुब्बराव ने चंबल में अहिंसा की परंपरा को बल दिया।

मकान बना रहे दो राजमिस्त्रियों से एक ही प्रश्न पूछने पर उसका जवाब उनकी दृढ़ता और कर्तव्य को अभिव्यक्त करते हैं। एक का जवाब कि 'मैं अपने परिवार का पेट पालने के लिए मजदूरी कर रहा हूँ' और दूसरे का यह जवाब कि 'हम लोग भारत माता की एक संतान के रहने के लिए भवन का निर्माण कर रहे हैं।' जबकि उनसे पूछा गया था कि 'वे क्या कर रहे हैं?' मेरा मानना है कि हमें गर्व होना चाहिए कि हम भारत माता की संतान हैं और अपने हर छोटे-बड़े काम को देशभक्ति और देश प्रेम से जोड़ना चाहिए, यह कहना था प्रख्यात गांधीवादी और सर्वोदयी नेता डॉ.एस.एन.सुब्बराव जी का। जिन्हें देशभर के नवजवान बड़े प्यार से भाईजी कहकर सम्बोधित करते थे। आज 7 फरवरी 2026 को देशभर में उनकी 97वीं जयंती मनायी जा रही है। इस अवसर पर उनकी सरलता, सहजता, सेवाभाव, अहिंसा, त्याग, और प्रेम को याद करना जरूरी हो जाता है। भाईजी छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से अपनी बातों को रखते थे।

भाई जी का प्रारंभिक जीवन और चेतना

सुब्बराव जी का जन्म कर्नाटक के सेलम में 7 फरवरी 1929 को हुआ, उनके पिताजी वकील थे। महात्मा गांधी के करो या मरो आंदोलन से प्रेरित होकर उन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ 'भारत छोड़ो' के नारे लिखे और कक्षाएँ बहिष्कृत कीं। उस समय उन्हें पुलिस ने एक दिन के लिए हिरासत में भी लिया था। उन्होंने पढ़ाई के दौरान ही सेवादल में भागीदारी की और 1950 के दशक में कांग्रेस सेवादल के सदस्य के रूप में कार्य करना प्रारंभ किया। अपने कानून के अध्ययन के बाद उन्होंने सक्रिय जीवन समाज सेवा में समर्पित कर दिया।

चंबल घाटी में अहिंसा का अनूठा प्रयोग

स्वतंत्रता के बाद भाईजी ने राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सौहार्द्र के लिए कार्य शुरू किया। 1969 में गांधी जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत सरकार के द्वारा संचालित गांधी रेल प्रदर्शनी को पूरे देश में ले जाने का कार्य किया। उसके बाद चम्बल के कुछ साथियों के आग्रह पर चम्बल घाटी में शांति मिशन के कार्य के लिए जौरा में महात्मा गांधी सेवा आश्रम स्थापना की। कालांतर में यही आश्रम 70 की दशक में चम्बल घाटी में हुए ऐतिहासिक बागी आत्मसमर्पण और पुनर्वास का साक्षी बना। जिसमें उन्होने महती भूमिका का निर्वाह किया। उन्होनें 654 से अधिक बागियों को केवल हथियार छोड़ने के लिए नहीं बल्कि समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण जैसे बुजुर्ग गांधीवादियों की सहयोगी भूमिका के साथ, सुब्बराव ने चंबल में अहिंसा की परंपरा को बल दिया।

राष्ट्रीय युवा योजना और चरित्र निर्माण

सुब्बराव जी का मानना था कि चरित्र निर्माण ही राष्ट्र निर्माण है। युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें सही दिशा देने के लिए उन्होनें राष्ट्रीय युवा योजना (एन.वाई.पी.) की स्थापना की। एन.वाई.पी. के तहत उन्होंने देश भर में सामूहिक युवा नेतृत्व शिविरों, सद्भावना शिविर, पर्यावरण और जलसंरक्षण शिविर, आपदा राहत शिविर इत्यादि का आयोजन किया। यहां तक कि नागालैंड, मणिपुर, मेघालय, लद्दाख, अंडमान और लक्षद्वीप आदि दूरस्थ क्षेत्रों में भी शिविर

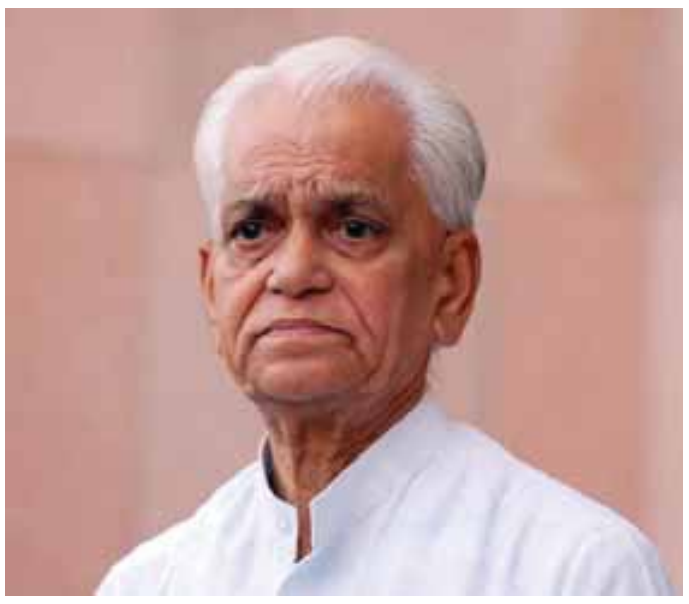

संचालित किये। शिविरों के माध्यम से वे धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र की दीवारें तोड़कर एकता, प्रेम और मानवता का संदेश देते थे। उन्होंने 'धर्म, जाति, भाषा एवं क्षेत्रीयता के भेदों से ऊपर उठकर एकता, प्रेम, सद्भाव और सौहार्द्र' का संदेश फैलाया। यही दृष्टिकोण उन्हें राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर समरसता की राजनीति करने वाला राष्ट्रवादी युगपुरुष बनाता था।

सद्भावना रेल यात्रा और शांति-भाईचारे का संदेश

90 के दशक में जब देश साम्प्रदायिकता से जूझ रहा था, तब सुब्बाराव जी ने केन्द्र सरकार की मदद से सद्भावना रेल यात्रा का आयोजन कर देश के प्रमुख शहरों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा और साम्प्रदायिक सद्भावना साइकिल रैली की। यह यात्रा पूरे देश में दो चरणों में चली, जिसमें 26 राज्यों के करीब 2500 से अधिक युवा शामिल हुए। इन युवाओं के लिए पूरा रेल ही घर और अलग-अलग शहर कर्मस्थली बना था। रेल में 250 साइकिलें भी थी जिस पर सवार होकर नवजवान शहर के एक छोर से दूसरे छोर जाकर देश की एकता, अखण्डता और साम्प्रदायिक सद्भावना के संदेश का प्रचार प्रसार किये। 'विश्व में अमन, चैन, प्यार, दोस्ती और मानवता की विजय' की भाईजी की सर्वोच्च मान्यता को इस रेलयात्रा ने चरितार्थ किया।

आदर्श जीवन: सरलता, अनुशासन और सहिष्णुता

डॉ. सुब्बराव जी का व्यक्तित्व सादगी, विनम्रता, सरलता और अनुशासन से परिपूर्ण था। वे युवाओं को 'एक घंटा देश को- एक घंटा देह को' अपनाने की अपील करते। अपना दैनिक कार्य स्वयं करते रहे। यात्राओं के दौरान उनकी कोशिश अपने चिर परिचितों से भोजन पाने की होती थी। वह एक साधु तुल्य व्यक्ति थे जिनको सभी धर्मों और भाषाओं से प्रेम रहा। 18 भारतीय भाषाओं को बोलते हुए वे सभी धर्मों के प्रति ममत्व का भाव रखते, उनका कहना था कि 'सर्व धर्म-मम् भाव' ही भारतीय एकता की कुंजी है। उनका मानना था कि युवा ही राष्ट्र का निर्माता है और उनसे ही समाज में मानवता और सौहार्द्र की भावना बलवती होगी।

युवाओं के लिए प्रेरणा और आह्वान

अभी सुब्बराव जी हमारे बीच नहीं हैं (उनका निधन 27 अक्टूबर 2021 को हुआ), परंतु उनके सिद्धांत, व्यवहारिक आदर्श आज भी जीवंत हैं। उनकी 97 वीं जयंती पर हम सभी को यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि उनके मार्ग पर चलते हुए हम भी चरित्रवान बनेंगे और सेवा, सद्भाव और सामाजिक सरोकार के मूल्य को अपनाएंगे। आज जब पूरी दुनिया विभाजन और हिंसा-प्रतिहिंसा से पीड़ित है तो उनके अहिंसक परोपकारी मार्ग का अनुसरण ही अपने देश और दुनिया को शांति और एकता की ओर ले जाएगा। हमें उनके जीवन की सीख को आगे बढकर आत्म-उन्नयन और राष्ट्र निर्माण की ओर बढ़ाना है। उनकी परंपरा का मनन करते हुए हम सभी सेवा, करूणा, मानव सेवा और आपसी सौहार्द्र के कार्यों से अपना और राष्ट्र का कल्याण सुनिश्चित करें, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

स्मृति शेष

विनोद नागर

(वरिष्ठ सिने समीक्षक एवं फिल्म अध्येता)

सुजीत कुमार- हीरो नहीं, पर बिल्कुल हीरो जैसा

फिल्मों में कामयाबी पाने के लिए कलाकार का हुनरमंद होने के साथ साथ किस्मत का धनी होना भी जरूरी है. वरना फिल्मी दुनिया में लोग बनने कुछ आते हैं और बन कुछ और जाते हैं. सुजीत कुमार भी फिल्मों में हीरो बनने ही आये थे. उनका रंग-रूप, कद-काठी, चेहरा-मोहरा, चलने-फिरने और बात करने का अंदाज़ सब कुछ हीरो के माफिक था. पर बॉलीवुड में वो हीरो नहीं, हीरो के दोस्त बनकर ही छाये रहे.

बनारस में जन्में और 1960 से 2001 तक फिल्मों में सक्रिय रहे सुजीत कुमार (असली नाम शमशेर बहादुर सिंह) को जीवन के अंतिम वर्षों में कैंसर जैसे असाध्य कर्क रोग से जूझना पड़ा. उनकी पत्नी किरण पांच वर्ष पूर्व ही चल बसी थीं. राजेश खन्ना के अलावा जितेन्द्र, राकेश रोशन, रणधीर कपूर और सावन कुमार टाक जैसी समकालीन फ़िल्मी हस्तियों के साथ उनकी पक्की दोस्ती रही. इन सबने हिन्दी सिनेमा के साठ, सत्तर और अस्सी के स्वर्णिम दशक को मुस्तैदी से साझा जो किया था.

सुपर स्टार राजेश खन्ना के तो वे रुपहले परदे पर ही नहीं निजी ज़िन्दगी में भी अभिन्न मित्र थे. राजेश खन्ना को रातों रात सुपर सितारे का दर्जा दिलाने वाली शक्ति सामंत की आराधना (1969) में राजेश के दोस्त फ्लाइट लेफ्टिनेंट मदन वर्मा के किरदार में सुजीत खूब फबे थे. फिल्म के लोकप्रिय गीत 'मेरे सपनों की रानी..' में दार्जिलिंग के खूबसूरत पहाड़ी रास्तों पर साथ चलती टॉय ट्रेन में बैठी नायिका से अठखेलियाँ करते खुली जीप में सवार माउथ ऑर्गन बजाते दोस्तों को भला कौन भूल पायेगा?

राजेश खन्ना की इत्तेफाक, आन मिलो सजना, हाथी मेरे साथी, अमर प्रेम, मेरे जीवन साथी, रोटी, मेहबूबा, अवतार, आखिर क्यों और अमृत में भी सुजीत उनके साथ थे. हिन्दी फिल्म दर्शकों ने उन्हें सबसे पहले रामानंद सागर की आँखें (1968) में नदीम के किरदार में नोटिस किया, हालांकि इससे पहले सुजीत टैक्सी ड्रायवर, लाल बंगला, सबका उस्ताद और जाल जैसी फिल्मों में छोटे मोटे रोल कर चुके थे. आँखें के बाद आई आराधना ने उन्हें पीछे मुड़कर देखने का मौका न दिया.

गीत, माँ और ममता, नया रास्ता, बिखरे मोती, पुतली बाई, ये गुलिस्तान हमारा, तांगेवाला, गाँव हमारा शहर तुम्हारा, इंसानियत, हमराही, अमीर गरीब, रेशम की डोरी, दो जासूस, सुनहरा संसार, अदालत, आप बीती, छोटी सी बात, बारूद, चरस, बैराग, कलाबाज़, दिलदार, राम भरोसे, धर्मवीर, देस परदेस, नालायक, द ग्रेट गैम्बलर, द बर्निंग ट्रेन, टक्कर, अब्दुल्ला, इंसाफ का तराजू, राम बलराम, शान, गोपीचंद जासूस, कामचोर, तिरंगा, क्रांतिवीर, अवतार, अर्पण, पुकार, बॉक्सर, धर्म अधिकारी आदि फिल्मों में उन्हें दिलीप कुमार, देव आनंद, राज कपूर, राजेन्द्र कुमार, राज कुमार, सुनील दत्त, धर्मेन्द्र, जीतेन्द्र, शशि कपूर, अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा, विनोद खन्ना, डैनी डेनजोंग्पा, रणधीर कपूर, ऋषि कपूर, अनिल कपूर, मिथुन चक्रवर्ती, नाना पाटेकर जैसे तमाम समकालीन सितारों के साथ काम करने का अवसर मिला.

सुजीत कुमार ने सवा दो सौ से अधिक रुपहले परदे पर डाकू और पुलिस अफसर से लेकर डॉक्टर, वकील, जज, प्रोफ़ेसर, सेठ, और गैगस्टर सहित ढेरों किरदार स्वाभाविकता से निभाये. वे शातिर विलेन भी रहे और सहज सौम्य भाई, पति और बाप के रोल में भी उन्हें स्वीकारा गया. सुजीत कुमार ने बीस से अधिक भोजपुरी फिल्मों में भी सफलतापूर्वक काम किया. कई सालों तक वे भोजपुरी फिल्मों के सुपर स्टार बने रहे. बिदेसिया, दंगल, गंगा मइया तोहे पियरी चढ़ईबो, चंपा चमेली, साजन करे कन्यादान, बैरी भईल हमर, सैयां से भईल मिलनवा, सजाई दा मांग हमार, सैयां मगन पहलवानी में, गंगा जैसन भौजी हमार आदि उनकी प्रमुख भोजपुरी फिल्मों के नाम हैं. पान खाये सैयां हमार का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था.

सुजीत कुमार ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी हाथ आजमाया, लेकिन उसमें उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली. निर्माता के रूप में अनुभव (1986) और आसमां से ऊँचा (1989) फ्लॉप रही, जबकि खेल (1992) दरार (1996) और चैंपियन (2000) आंशिक तौर पर सफल रहीं. 5 फ़रवरी को उनकी पुण्यतिथि है और 7 फ़रवरी को पड़ेगा उनका जन्मदिन. बहुत याद आएँगे सुजीत कुमार और रुपहले परदे पर निभाये उनके किरदार..!

नई खेल दुनिया

सुरभि पांड्या

(लाइफ़ कोच, गेम क्रिएटर)

बच्चों को संस्कारवान और सकारात्मक बनाते ये खेल

कुछ खेल ख़ास तरह के होते हैं, जो एक बड़े उद्देश्य को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किए जाते हैं। ये खेल सिर्फ़ मनोरंजन या टाइम पास नहीं करते, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का इस तरह से निर्माण करते हैं कि वे अपने खुद के प्रति सचेत तथा जागरूक होने के साथ दूसरों के प्रति संवेदनशील बन सकें। यानी इन खेलों के जरिए ऐसे व्यक्तित्व का भी निर्माण होता है, जो व्यक्तिगत स्तर पर तो सकारात्मक तथा गुणात्मक परिवर्तन करता ही है, साथ ही पारिवारिक तथा सामाजिक स्तर पर भी अपनी जिम्मेदारियों का गहरा अहसास कराता है।

इस तरह से ये खेल व्यक्तिगत स्तर से लेकर पारिवारिक तथा सामाजिक स्तर पर जिम्मेदार इकाई बनाता है। इन खेलों की परिकल्पना, योजना तथा डिजाइनिंग कुछ अलग होती। इन खेलों के जरिए बच्चों और बच्चों के जरिए एक बड़ा सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने की रचनात्मक कोशिश की जा रही हैं। ये खेल बच्चों को संस्कारित करते हैं, रचनात्मक बनाते हैं, बेहतर, जिम्मेदार तथा संवेदनशील इंसान बनाते हैं। सबसे बड़ी बात ये खेल खुद के प्रति सचेत-जागरूक करते हैं तथा दूसरों के प्रति दयालु तथा त्यागी बनाते हैं। ये खेल देश-विदेश में अपनी सार्थकता साबित कर चुके हैं।

यह हमारे आधुनिक समय की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि बच्चे अब मैदानों में जाकर खेलने के बजाय अपने स्मार्ट फ़ोन, प्ले स्टेशन तथा तमाम तरह केवीडियो गेम्स के एडिक्ट हो गए। इससे इनमें नकारात्मकता पैदा हो रही है, इनकी बाहरी तथा आंतरिक दुनिया तहस-नहस हो रही है। इनमें मानसिक तथा शारीरिक समस्याएं पैदा ही रही हैं। इसका दुष्परिणाम यह हो रहा है कि इन तमाम बातों का इनके संपूर्ण व्यक्तित्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा, जो बाद में पारिवारिक तथा सामाजिक समस्या बन जाता है। इसलिए ये खेल एक बड़ा उद्देश्य लेकर बनाए गए हैं। ये खेल चार थीम पर बनाएं गए हैं, चारों खेलों का एक ख़ास मक़सद है। मिसाल के लिए 'फ्रीडम राइड' खेल एक विपरीत शैली का कर्म खेल है, जहां संचय करने के बजाय खिलाड़ी त्याग करके जीतते हैं। यह दर्शाता है कि सच्ची शक्ति स्पष्टता और समर्पण में है। यह खेल आप में निस्वार्थ जैसे गुण पैदा कर अधिक जिम्मेदार बनाता है। दूसरा खेल है 'सेंसिकल।' यह खेल इंद्रियों की खोज के माध्यम से एक मनोरंजक यात्रा है, जहां खिलाड़ी पहचानना, व्यक्त करना और रूपांतरित करना सीखते हैं। तीसरा खेल 'द फिफ्थ किंगडम' है। यह खेल-खेल में क्षमा, विनम्रता और सत्य जैसे आंतरिक गुणों पर आधारित विकल्प चुनकर वास्तविक जीवन की भावनात्मक दुविधाओं से निपटना सिखाता है। सीमित मान्यताओं और छुपे हुए पैटर्न को जड़ से उखाड़ फेंककर और उन्हें प्रेमपूर्वक त्याग देना सिखाता। चौथा खेल है 'कलर्स' जो यह अपने विचारों के छुपे हुए रंगों को खोजना सिखाता है। उन भावनात्मक रंगों को पहचानना सिखाता है, जिनसे आप संचालित होते हैं और जो आपके जीवन को आकार देते हैं। और फिर से चुनने की स्वतंत्रता प्राप्त करना सिखाता है।

कर्म आधारित खेलों का यह आइडिया आने की भी अजब कहानी है। आज मनोरंजन की दुनिया में वीडियो गेम्स, स्क्रीन बेस्ड खेल बच्चों को सिर्फ़ मज़ा, जीतने की इच्छा तथा स्किल्स सिखाते हैं। इस तरह के खेल बच्चों को प्रतिस्पर्धा के लिए अधिक आक्रामक तथा हिंसक बनाते हैं। इसलिए सोचा गया कि खेल बच्चों तथा अन्य खेलने वालों का सिर्फ़ मनोरंजन ही न करें बल्कि उन्हें अंदर से मजबूत बनाएं। चूंकि बच्चों की ज़िंदगी तथा उनका व्यक्तित्व निर्माण उनके शुरुआती खेलों से भी होता है, लिहाजा सोचा गया कि वे खेल खेल में अपनी भावनाएं बेहतर ढंग से समझें तथा उन्हें नियंत्रित करना सीखें। गुस्सा, डर तथा अन्य इच्छाएं वह बेहतर ढंग से समझने लगे, उन्हें पहचाने तथा स्पष्टता से फैसला लेने की क्षमता विकसित कर सकें। इन खेलों को इस तरह से डिजाइन किया गया कि बच्चा गलतियों को समझे, उन्हें सुधारे। दूसरों की मदद करने में आनंद महसूस करे, टीमवर्क तथा सहयोग का गुण विकसित कर सके। इन खेलों में आध्यात्मिकता, मनोविज्ञान तथा बिहेवियरल साइंस को

जोड़ा गया है। इसी के आधार पर इन खेलों की पायलट टेस्टिंग के बाद स्कूलों, परिवारों तथा अंतरराष्ट्रीय समुदायों के लिए लागू किया गया। आज बच्चे भावनात्मक रूप से असंतुलन, एंग्ज़ाइटी, डिज़िटल एडिक्शन के दबाव में हैं। ऐसे समय में बच्चों को इस तरह के खेलों की ज़रूरत है, जो उनकी आंतरिक शक्ति को बढ़ाएं, लाइफ़ स्किल्स डेवलप कर सकें, स्क्रीन टाइम से मुक्ति दिलाएं तथा जीवन के कर्म नियमों को मजेदार ढंग से समझ सकें।

आज वीडियो गेम्स बच्चों में उग्र उत्तेजना, हिंसक प्रतिस्पर्धा में धकेल रहे हैं तो दूसरी तरफ बेचैनी तथा गलत तरीके से पुरस्कार हासिल करने की इच्छा पैदा कर रहे हैं। लेकिन, ये ख़ास तरह से डिज़ाइन किए खेल बच्चों को शांत तथा स्थिर रहने का गुण पैदा करते हैं, तो अपने प्रति जागरूक तथा दूसरों के प्रति जिम्मेदार बनाते हैं। ये खेल काउंटर बैलेंस का तरह काम करते हैं तथा हिंसक मानसिकता से मुक्त कर अधिक रचनात्मक भावनाएं पैदा करते हैं। इन खेलों को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली। जैसे बच्चों को ये खेल अच्छे लगे, वे अपनी भावनाएं व्यक्त करने लगे, इन पर बात करने लगे। वे अपने डर, गुस्से, तनाव को बेहतर ढंग से समझने लगे, टीम वर्क तथा सहयोग के भाव को समझने लगे तथा यह सब करने लगे।

दूसरी तरफ पैरेंट्स का कहना था कि वे पहली बार अपने बच्चों को इतनी स्पष्टता तथा परिपक्वता के साथ सोचते देख रहे हैं। बच्चों तथा पैरेंट्स के लिए यह लाइफ़ चैंजिंग अनुभव थे। लोगों का कहना था कि इन खेलों के जरिए बच्चों की निर्णय क्षमता बेहतर हुई, रोज़ के द्वंद्व आसान हुए तथा गुस्से पर नियंत्रण करना सीखा। एक तार्किक तथा संतुलित सोच दी। इसका परिणाम यह हुआ कि बच्चों-पेरेंट्स के संबंध बेहतर तथा मज़बूत हुए। भारतीय पेरेंट्स का कहना था कि ये खेल बच्चों को संस्कार देते हैं तथा परिवार से ज्यादा जोड़ते हैं। विदेशी पेरेंट्स का कहना था कि ये खेल बच्चों को इमोशनली एजुकेट करते हैं। ये खेल भारत के तमाम शहरों में उपलब्ध हैं तथा इससे लोग खासे लाभान्वित हो रहे हैं। ये खेल अमेरिका के सभी राज्यों-शहरों के साथ ही इंग्लैंड तथा कनाडा में भी उपलब्ध हैं।

वन विभाग द्वारा घायल तेंदुए के शावक को रेस्क्यू कर इलाज के लिए पशु चिकित्सालय महू भेजा

धार। वन परिक्षेत्र कुक्षी के अंतर्गत ग्राम कुडर्दीपुरा में 5 फरवरी गुरुवार को प्रातः 10 से 11 बजे के बीच सूचना प्राप्त हुई कि दो तेन्दुआ शावक पेड़ पर चढ़े हुए है। सूचना प्राप्त होते ही वन मंडल अधिकारी धार विजय नंथम टी.आर. के निर्देशन में वन स्टाफ मौका स्थल पर पहुंचा। वन स्टाफ द्वारा एकत्रित भीड को हटाया और तेंदुए के शावकों की पेड़ पर चढ़े होने की पुष्टि की गई। भीड हटते ही एक शावक पेड़ से नीचे उतरने लगा जिसे देखकर लग रहा था कि वह घायल है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कुत्तों द्वारा शावकों को घायल कर दिया था। जिससे दोनों तेन्दुआ के शावक पेड़ पर चढ़ गये। भीड़ कम होते ही एक शावक जो स्वस्थ्य था, जंगल की ओर भाग गया। दूसरे घायल तेन्दुए के शावक को वन स्टाफ द्वारा द्वारा रेस्क्यू कर सुरक्षित वन परिक्षेत्र केम्पस कुक्षी लाकर उसका पशुचिकित्सक से उपचार कराया गया। उपचार के बाद पशु चिकितकों टी की टीम ने उसे पशु चिकित्सालय बडवानी रेफर किया। घायल तेन्दुए के शावक के घाव गहरे होने से उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी तथा दोनों पैरो के बीच का घाव गहरा होने से तत्काल सर्जरी की आवश्यकता होने से उसे पशु चिकित्सालय महू हेतु रेफर किया। महु चिकित्सालय में उसका इलाज किया जा रहा है।

सायरन बजाते निकले रैपिड एक्शन फोर्स के वाहन

सुबह सवेरे सोहागपुर । आज शाम आगामी त्यौहारों को लेकर कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु रैपिड एक्शन फोर्स भोपाल के तत्वावधान में नगर थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में सायरन बजाते वाहन निकले। इस रैपिड एक्शन फोर्स भोपाल के साथ एसडीओ पुलिस संजू चौहान,नगर निरीक्षक उषा मरावी के अलावा सोहागपुर पुलिस थाने का स्टाफ इस फ्लैग मार्च में शामिल था।

जैन समुदाय ने घट को लेकर यात्रा निकाली, देश के विख्यात संतों का होगा आगमन

सुबह सवेरे सोहागपुर । जैन समाज द्वारा श्री जिनवाणी अस्थाप, कलश आरोहण, वेदी प्रतिष्ठा व तिलक महा महोत्सव को लेकर आज शुक्रवार को समारोह स्थल से घट लेकर यात्रा निकाली गई। यात्रा पुराने पुलिस थाने, मुख्य बाजार, कमानिया गेट से होकर चेतालय पहुंची। इस यात्रा में जैन समाज के नागरिक, मातृशक्ति शामिल थीं। उधर जैन समाज ने नगर में तोरणद्वार, बैनरों एवं पीले ध्वजों से नगर को पाठ दिया है। बैनर जैन समाज ने घरों के रास्तों के अलावा अपने अपने प्रतिष्ठानों पर लगाएं हैं। समाज के अभिषेक जैन एवं अखिल जैन ने बताया कि आज वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिन घट यात्रा संपन्न हुई। तारण तरण जैन चैताल्य में अध्यात्म रत्न इतिहास रत्नाकर बाल ब्रह्मचारी श्री बसंत जी महाराज एवं अन्य साधकों साध्वियों के सानिध्य में किया गया। उल्लेखनीय है कि सात से नौ फरवरी वेदी प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होगा। इस आयोजन में देश के विख्यात संतो के अलावा कई नगरों के सजातीय बन्धु एवं मातृशक्ति शामिल होंगी।आज जैन समाज के पात्र भावना परिवारों से ग्रंथ संग्रहित किए आज का प्रथम दिवस का आयोजन भी त्योहार स्वरूप मनाया गया। जिसमें अपने मस्तिष्क पर रखे ग्रथ रखकर चैताल्य पहुंचे थे। वहीं युवतियां नृत्य कर रही थी। उल्लेखनीय है कि सात से नौ फरवरी तक तीन दिवसीय मंगल आयोजन होगा। जिसका लक्ष्य अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की वाणी को आत्म कल्याणार्थ जन-जन तक पहुंचाने का है। जिसमें जैन चैत्यालय की नवनिर्मितश्री वेदी जी में श्री जिनवाणी अस्थाप, कलश आरोहण, वेदी सूतन तथा तिलक महा महोत्सव आयोजन सम्मिलित हैं।

मरीजों के साथ आने वाले परिजन यहां-वहां सोकर गुजार रहे रातें

60 लाख से बना सराय भवन, संचालन नहीं

बैतूल। जिला अस्पताल में मरीजों के परिजनों के रुकने के लिए 50 लाख रुपये से सराय भवन का निर्माण किया है। लेकिन अभी तक यह शुरू नहीं हो पाया है। मरीजों के परिजन इस 50 लाख के भवन के बाहर ही बैठे रहते हैं। बता दे कि करीब चार महीने पहले यह सराय भवन बनकर तैयार भी हो गया, लेकिन संचालन शुरू नहीं हुआ है। इसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल के पास पर्याप्त मानव संसाधन का अभाव है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि सराय के संचालन के लिए अतिरिक्त स्टाफ की आवश्यकता थी। इसके लिए शासन स्तर पर मांग भी की गई, लेकिन लंबे समय तक कोई जवाब नहीं मिला। स्टाफ की कमी के चलते अस्पताल प्रशासन ने स्वयं सराय के संचालन को लेकर हाथ खड़े कर दिये। अब निजी संस्था के माध्यम से सराय संचालन कराने का प्रस्ताव बनाकर प्रशासन को भेजा गया है, ताकि किसी तरह इस सुविधा को शुरू किया जा सके। बता दे कि अस्पताल परिसर में ही करीब 60 लाख रुपए की लागत से सराय भवन बनाया गया। लेकिन संचालन शुरू नहीं होने के कारण अब तक इसके दरवाजे आमजन के लिए नहीं खुल सके हैं। इस स्थिति ने शासन की मंशा और प्रशासनिक कार्यप्रणाली दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में आते है मरीज – जिला अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज आते है। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीज भी शामिल है। जिन्हें आवश्यकतानुसार भर्ती किया जाता है। ऐसे में मरीजों के साथ आने वाले परिजन अस्पताल परिसर या भर्ती वार्डो के सामने रात गुजारते थे। परिजनों को अक्सर कई-कई दिनों तक अस्पताल परिसर में ही रुकना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए शासन द्वारा अस्पताल परिसर में सराय का निर्माण कराया गया था, ताकि परिजनों को सुरक्षित और सुविधाजनक ठहराव मिल सके, लेकिन सराय बनकर तैयार होने के बाद भी इसका उपयोग शुरू न हो पाना प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण बनता जा रहा है।

शासन से की थी स्टाफ की मांग, नहीं मिला जवाब – जिला अस्पताल प्रशासन का कहना है कि सराय के संचालन के लिए अतिरिक्त स्टाफ की आवश्यकता थी। इसके लिए शासन स्तर पर मांग भी की गई, लेकिन लंबे समय तक कोई जवाब नहीं मिला। स्टाफ की कमी के चलते अस्पताल प्रशासन ने स्वयं सराय संचालन करने में असमर्थता जताते हुए हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद निजी संस्था के माध्यम से सराय संचालन कराने का प्रस्ताव बनाकर प्रशासन को भेजा गया है, ताकि किसी तरह इस सुविधा को शुरू किया जा सके। हालांकि अभी तक यह तय नहीं हो सका है कि सराय का संचालन किस संस्था के माध्यम से और किन शर्तों पर किया जाएगा।

भवन तैयार, लेकिन संचालन अब तक शुरू नहीं – जिला अस्पताल भवन में निर्मित सराय के संचालन को लेकर अभी तक यह तय नहीं हो सका है कि सराय का संचालन किस संस्था के माध्यम से और किन शर्तों पर किया जाएगा। लेकिन जानकारी के अनुसार सराय भवन के लिए आवश्यक फर्नीचर, बेड, बिस्तर और अन्य सामग्री की खरीदी भी की जा चुकी है। इसके बावजूद संचालन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई है। ऐसे में मरीजों के साथ आने वाले उनके परिजनों को ठहरने की उचित सुविधा नहीं मिल पा रही है। जागरूक नागरिकों का कहना है कि जिला अस्पताल में पहले से ही स्टाफ की कमी बनी हुई है, ऐसे में करोड़ों रुपये की लागत से सराय का निर्माण, सार्वजनिक धन का उपयोग निष्क्रिय संपत्ति के रूप दिखाई पड़ रहा है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा पूर्व में ही सराय के संचालन के लिए योजना बनाई जानी थी।

सराय भवन होने के बाद भी इधर-उधर काट रहे राते – जिला अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए बनाया गया सराय भवन का संचालन शुरू नहीं होने के कारण मरीजों के परिजनों को इधर-उधर राते गुजारनी पड़ रही है। हालात यह है कि कोई भर्ती वार्ड के सामने सोकर राते गुजार रहा है तो कोई अस्पताल परिसर या बरामदे में सो रहे है। ठंड के मौसम में कई परिजन अस्पताल के बाहर जलाए गए अलाव के सहारे सोने को मजबूर होते हैं। बरसात और सर्दी के दौरान यह परेशानी और भी बढ़ जाती है। न उन्हें सुरक्षा मिल पाती है और न सुविधाएं। ऐसे में 60 लाख से बना सराय केवल औपचारिकता बनकर रह गया है, क्योंकि संचालन के अभाव में यह भवन सिर्फ नाम मात्र की भूमिका निभा रहा है।

लाखों खर्च के बाद भी नहीं मिल रहा इसका फायदा – बताया जा रहा है कि हाल ही में 10 लाख का पलंग, गद्दे, सीलिंग फैन समेत अन्य सामान भी यहां बुलवाए, लेकिन इसके बावजूद 15 कर्मचारियों का स्टाफ नहीं होने का हवाला अस्पताल प्रबंधन दे रहा है। वहीं इसके संचालन का प्रपोजल भेजने की बात कह रहा है लेकिन मरीजों के परिजन अब भी यहां इसी भवन के बाहर रुकते हैं। इस उम्मीद में कि कभी तो इसके ताले खुलेंगे। दो मैनेजर, दो सुरक्षा गार्ड, चार सफाईकर्मी, दो काउंटर कर्मचारी समेत 15 कर्मचारियों का स्टाफ नहीं होने के कारण 50 लाख का भवन और 10 लाख का सामान कुल 60 लाख के खर्च का कोई फायदा मरीजों के परिजनों को नहीं मिल रहा है। वे सराय के सामने ही सोते हैं।

इनका कहना है – सराय के संचालन के लिए संस्था के निर्धारण का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा गया है। वहां से संस्था तय होने के बाद सराय का संचालन शुरू करा दिया जायेगा। सराय के लिए आवश्यक सामग्री क्रय कर ली गई है।

– डॉ. जगदीश घोरे, सिविल सर्जन जिला अस्पताल बैतूल

बोर्ड परीक्षा की तैयारियां पूरी, गोपनीय सामग्री का वितरण

127 केंद्रों पर 34 हजार विद्यार्थी देंगे परीक्षा

बैतूल। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा को लेकर जिले में तैयारियां पूरी हो गई हैं। शुक्रवार से गोपनीय सामग्री के वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रभारी डीईओ भूपेंद्र वरकड़े ने बताया कि बोर्ड के निर्देशानुसार जिले के ग्रामीण अंचलों के परीक्षा केंद्रों के लिए गोपनीय सामग्री का वितरण उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल से किया गया। कुल 102 परीक्षा केंद्रों के लिए यह सामग्री भेजी गई है, जबकि शहरी क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों के लिए सामग्री का वितरण शनिवार को किया जाएगा। जिले में इस बार बोर्ड परीक्षा 127 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इनमें 7 संवेदनशील और 4 अति संवेदनशील केंद्र शामिल हैं। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए 23 थाना क्षेत्रों को संकलन केंद्र बनाया गया है। केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष अपने-अपने प्रश्न पत्र संबंधित पुलिस थानों से प्राप्त करेंगे। इस वर्ष जिले में कुल 34 हजार 278 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें कक्षा 10वीं के 18 हजार 821 नियमित और 913 स्वाध्यायी, जबकि कक्षा 12वीं के 13 हजार 250 नियमित और 1 हजार 294 स्वाध्यायी विद्यार्थी शामिल हैं। परीक्षा की तिथियों में पुलिस प्रशासन और शिक्षा विभाग की संयुक्त निगरानी में सभी केंद्रों तक प्रश्न पत्र सुरक्षित रूप से पहुंचाए जाएंगे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी की सख्त कार्रवाई

नॉन अटेंड शिकायतों पर 37 अधिकारियों का कटेगा वेतन

बैतूल। सीएम हेल्पलाइन की नॉन अटेंड शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने नॉन अटेंड रही शिकायतों के दिनों के आधार पर अधिकारियों का फरवरी माह का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। जिसके अनुसार एमपी स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पो लि. बैतूल जिला प्रबंधक विख्यात हिडोलिया का 9 दिनों का वेतन, मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड वितरण केन्द्र बोरदेही सहायक प्रबंधक संतोष कुमार चंदेल का 7 दिन का वेतन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैतूल सुश्री शिवानी राय का 6 दिन का वेतन तथा सचिव कृषि उपज मंडी समिति सुरेश कुमार परते का 6 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए है।

इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी सुश्री तीजा पवार का 5 दिन का वेतन, श्रम पदाधिकारी धम्मदीप भगत का 5 दिन का वेतन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मुलताई धर्मपाल सिंह मरकाम का 5 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए है। मुलताई प्रभारी तहसीलदार संजय बरैया का 4 दिन का वेतन, लोक निर्माण विभाग कार्यपालन यंत्री सुश्री प्रीति पटेल का 4 दिन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड भैंसदेही प्रभारी सहायक यंत्री निखिल जैन का 4 दिन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी बैतूल कार्यपालन यंत्री मनोज कुमार बघेल का 4 दिन का वेतन तथा प्रभारी तहसीलदार चिचोली पीएस दीवान का 3 दिन का वेतन, प्रभारी तहसीलदार भैंसदेही भगवान दास कुमरे का 3 दिन का वेतन, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड वितरण केंद्र भीमपुर के सहायक प्रबंधक क्षितिज मरावी का 3 दिन का वेतन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास बैतूल के उपसंचालक डॉ.आनंद कुमार बड़ोनिया का 3 दिन का वेतन तथा ऊर्जा विभाग के सहायक प्रबंधक सीएल सकोम का 3 दिन का वेतन काटे जाने के निर्देश दिए हैं।

जिले के 7,439 किसानों से कुल 51,396.94 मीट्रिक टन धान का उपार्जन

बैतूल। मप्र स्टेट सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक विख्यात हिंडोलिया ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले के 7,439 किसानों से कुल 51,396.94 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया। इसमें से 51,384.15 मीट्रिक टन धान को विधिवत गोदामों में जमा कर लिया गया है। जमा किए गए धान के लिए स्वीकृति पत्रक एवं वेयरहाउस रसीद भी जारी की जा चुकी हैं। जिला प्रबंधक के अनुसार उपार्जित और जमा धान की मात्रा में केवल 12.7 मीट्रिक टन का अंतर पाया गया है, जो धान में नमी की मात्रा कम होने एवं सुखत के कारण होने वाली स्वाभाविक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों में प्रकाशित 891 क्विंटल धान गायब होने की खबर पूर्णत- निराधार है। धान खरीदी, भंडारण एवं संधारण की पूरी प्रक्रिया शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार की गई है।

परीक्षा पे चर्चा का आयोजन

बैतूल। बीआर अम्बेडकर महाविद्यालय के सभागार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा पे चर्चा 2026 का प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षक एवं विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

विद्युत से सुरक्षा के लिए ग्रामीण जन सावधानियां जरूर बरतें

बैतूल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने ग्रामीण जनों को आगाह किया है कि वे अपने खेत-खलिहानों में विद्युत से सुरक्षा हेतु सावधानियां जरूर बरतें। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में असावधानीवश विद्युत से कई बार अप्रिय घटनाएं घट जाती हैं। यह दुर्घटनाएं कई बार जान-माल का नुकसान भी कर देती हैं। इनसे बचने के लिए ग्रामीणजनों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कंपनी ने कहा है कि कभी भी विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेडखानी न करें क्योंकि ऐसा करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। जरा भी असावधानी या छेडखानी से बडे-बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं। इसलिए ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है उन्हें आँधी तूफान या अन्य किसी कारण से टूटने वाले तारों को अकस्मात् छूने का प्रयास न करें। इस दौरान जरूरी होगा कि लाइन टूटने की सूचना तत्काल निकटस्थ बिजली कंपनी के अधिकारी को अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। संभव हो तो किसी आदमी को उस जगह, अन्य यात्रियों को चेतावनी देने के लिये भी बैठा दें। किसानों को सलाह दी गई है कि वे खेतों खलिहानों में ऊँची-ऊंची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियां, झोपडी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनायें।

फेमेक्स के तहत एनडीआरएफ टीम ने सतपुड़ा ताप विद्युत गृह और पारसडोह बांध का किया भ्रमण

आपदा की स्थिति में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई की तैयारियों की परख

बैतूल। आपदा के समय त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एनडीआरएफ की टीम द्वारा बैतूल जिले में फेमेक्स कार्यक्रम के अंतर्गत महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर जागरूकता एवं पूर्व तैयारी संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। एनडीआरएफ के डीआईजी मनोज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन एवं जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित इस अभियान के तहत एनडीआरएफ टीम ने सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी तथा पारसडोह बांध आठनेर का निरीक्षण किया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य दोनों महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की भौगोलिक स्थिति, संरचना, कार्यप्रणाली, संभावित खतरों एवं संवेदनशील बिंदुओं की जानकारी प्राप्त करना रहा।

भ्रमण के दौरान एनडीआरएफ टीम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर संभावित आपदा जोखिम एवं भेद्यता हैजर्ड एंड वल्नरेबिलिटी, आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं बचाव योजनाएं, चेतावनी एवं संचार व्यवस्था, रेस्क्यू व राहत कार्यों में आपसी समन्वय तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में एनडीआरएफ की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण एवं अभ्यास से आपदा की स्थिति में त्वरित निर्णय लेने एवं प्रभावी कार्रवाई में सहायता मिलती है। इससे विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है, वहीं संभावित आपदाओं के दौरान जन-धन की हानि को न्यूनतम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकेगी।

ट्रांसफार्मर के नाम पर आदिवासी किसानों से धोखाधड़ी, जयस ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

भीमपुर के आदिवासी किसानों की फसल सूखने की कगार पर, ठेकेदार पर गंभीर आरोप

बैतूल। विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने के नाम पर ठेकेदार द्वारा शुल्क वसूलने के बावजूद विद्युत विभाग को हैंडओवर नहीं किए जाने से भीमपुर विकासखण्ड के ग्राम खैरा, नहरपुर और बालु के आदिवासी किसानों की बिजली काट दी गई, जिससे सिंचाई ठप होने के कारण फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गईं और मामले को लेकर जय आदिवासी युवा शक्ति ने एसपी को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस मामले में जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश संयोजक जामवंत सिंह कुमरे के निर्देश पर जयस युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सोनू धुर्वे के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें विद्युत ठेकेदार द्वारा आदिवासी किसानों के साथ की गई धोखाधड़ी की शिकायत की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम खैरा, नहरपुर, बालु, विकासखण्ड भीमपुर के गरीब आदिवासी किसान कान्स वल्द जुमला बारस्कर, लाखाजी पिता बुद्ध बारस्कर सहित

अन्य किसानो ने विद्युत ठेकेदार राजेन्द्र कौशल निवासी हरदा को खेतों में विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने का ठेका दिया था। ठेकेदार द्वारा कुल चार ट्रांसफार्मर लगाए गए। साथ ही ट्रांसफार्मर को विद्युत विभाग को हैंडओवर करने की बात तय हुई थी, जिसके लिए ठेकेदार द्वारा मांगा गया शुल्क किसानों ने पहले ही अदा कर दिया। आरोप है कि शुल्क लेने के बावजूद ठेकेदार राजेन्द्र कौशल ने ट्रांसफार्मर विद्युत विभाग को हैंडओवर नहीं किए। इसके चलते विद्युत विभाग के अधिकारियों ने खेतों में लगे ट्रांसफार्मरों की बिजली काट दी। बिजली बंद होने से किसानों की सिंचाई पूरी तरह रुक गई है और फसलें सूखने की स्थिति में पहुंच गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विद्युत विभाग द्वारा ठेकेदार के विरुद्ध मोहदा थाना में एफआईआर दर्ज कराने हेतु पत्र जारी किया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। जयस ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि ठेकेदार राजेन्द्र कौशल से तत्काल ट्रांसफार्मर विद्युत विभाग को हैंडओवर कराए जाएं तथा मासूम और अशिक्षित आदिवासी किसानों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में ठेकेदार के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। इस दौरान जयस युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सोनू धुर्वे के साथ मांगीलाल बारस्कर खेड़ा, बाबूलाल बारस्कर, गोविंद यादव, शंकरलाल अखंड, दादू अखंडे, हीरालाल बारस्कर, कालिया बारस्कर, लखी बारस्कर, सुंदरलाल, मिश्रीलाल, बाबूलाल बारस्कर, कामसू बारस्कर, विश्राम, भूता, आशाराम, अमरलाल, निर्मल अखंडे, मुन्ना सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

पुराने विवाद को लेकर चाकूबाजी, युवक घायल

बैतूल। कोतवाली थाना क्षेत्र के तिलक वार्ड चौक स्थित एक किराना दुकान के पास शुक्रवार दोपहर बाद शेख इमरान (40), पिता मोहम्मद इकबाल, निवासी तिलक वार्ड पर तीन लोगों ने हमला कर दिया। इस हमले में इमरान चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों और घायल के बीच पुराना विवाद चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद के दौरान आरोपियों ने शेख इमरान के पेट में चाकू मार दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, इमरान की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों पक्षों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था, जिसके कारण यह हमला हुआ। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सवांद योजनांतर्गत नवांकुर संस्थाओं की जिला स्तरीय मासिक बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में मप्र जनअभियान परिषद द्वारा संवाद योजना अंतर्गत नवांकुर संस्थाओं की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। जिसका शुभारंभ प्रांत संयोजक श्री लखन विश्वकर्मा, संभाग समन्वयक श्री वरुण आचार्य, जिला समन्वयक श्री कल्याण सिंह राजपूत द्वारा मां सरस्वतीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मासिक बैठक में नवांकुर संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। साथ ही नवांकुर संस्था द्वारा प्रति माह किए जाने वाले कार्यों हेतु परिषद की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा कर कार्य सौंपे गए। बैठक में विमुक्त घुमन्तु एवं अर्धघुमन्तु परिवारों का चिन्हांकन हेतु संबंधितों को दिशा-निर्देश भी दिए गए। बैठक में नवांकुर संस्थाओं के सदस्य उपस्थित रहे।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 1048 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 03 फरवरी को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 758 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 290 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 195 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

नीलकंठेश्वर मंदिर परिसर में सजेगी भक्ति और लोक-संस्कृति की संध्या

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के उदयपुरा स्थित प्राचीन नीलकंठेश्वर मंदिर परिसर में 15 फरवरी को एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित 'महादेव महोत्सव' सायं 6.30 बजे से प्रारंभ होगा। यह आयोजन शिव-सत्य की कला अभिव्यक्तियों पर केंद्रित होगा, जिसमें लोक-भक्ति गायन, नृत्य नाटिका और भक्ति संगीत की प्रस्तुतियाँ श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर करेंगी। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन विदिशा के सहयोग से किया जा रहा है। महोत्सव की शुरुआत लोक-संगीत की सुरमयी धारा से होगी, जिसमें हरदा की सुश्री मिशा शर्मा अपने लोक गायन से सांस्कृतिक चेतना का संचार करेंगी। इसके पश्चात भोपाल की सुश्री अपर्णा चतुर्वेदी एवं उनके साथी कलाकार भगवान शिव पर आधारित भावप्रवण नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगे, जिसके माध्यम से शिव कथा को कलात्मक रूप में जीवंत किया जाएगा। समारोह की अंतिम प्रस्तुति भोपाल की सुश्री नवनी श्रीवास्तव एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा भक्ति गायन के रूप में दी जाएगी। उनके स्वरों में रची शिव-आराधना मंदिर परिसर को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित करेगी। यह महोत्सव लोक परंपरा, शास्त्रीय अभिव्यक्ति और सुगम संगीत का अद्भुत संगम होगा, जो श्रद्धालुओं और कला प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय सांस्कृतिक अनुभव लेकर आएगा।

अपर कलेक्टर ने आष्टा एवं जावर तहसील कार्यालय में एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने आष्टा एवं जावर तहसील कार्यालय में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यों का निरीक्षण किया और अभी तक की कार्य प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। एसआईआर कार्य प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नो-मैपिंग वोटर्स की सुनवाई, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के निराकरण तथा दावे-आपत्तियों के निपटारे की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सभी सहायक एईआरओ, बीएलओ एवं संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता का सत्यापन पूरी गंभीरता से किया जाए, किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से वंचित न रहे और अपात्र प्रविष्टियों का नियमानुसार निराकरण किया जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री नितिन टाले, तहसीलदार श्री ओमप्रकाश चोरमा, नायब तहसीलदार श्री सिद्धांत सिंघला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एलबीएस कॉलेज सिरोंज में सफल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव 260 में से 107 विद्यार्थियों का चयन

विदिशा (निप्र)। विदिशा में आईटीसी मिशन सुनहरा कल, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन और शासकीय लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) कॉलेज के संयुक्त प्रयास से इकोसिस्टम प्रोग्राम एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस के अंतर्गत एक सुव्यवस्थित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें उद्योग जगत से सीधे जोड़ना रहा। प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 8 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। इनमें भोपाल, मंडीदीप, पीथमपुर और सानंद (गुजरात) जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की कंपनियाँ शामिल रहीं। कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न चरणों में साक्षात्कार और चयन प्रक्रिया संचालित की गई। कॉलेज के 260 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की, जिनमें से 107 विद्यार्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन हुआ। चयनित विद्यार्थियों में भविष्य को लेकर उत्साह और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई दिया। इस अवसर पर आईटीसी मिशन सुनहरा कल एवं प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि इकोसिस्टम प्रोग्राम का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास, रोजगारपरक प्रशिक्षण और उद्योग जगत से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। ऐसे प्लेसमेंट आयोजन युवाओं के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कॉलेज प्रशासन ने इस सफल आयोजन के लिए आईटीसी मिशन सुनहरा कल और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सहयोग जारी रखने की बात कही। यह कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर साबित हुई, जिसने उनके करियर को नई दिशा देने का मार्ग प्रशस्त किया।

आईजी, कलेक्टर, डीआईजी और एसपी ने कुबेरेश्वर धाम पहुंचकर कथा की तैयारियों का किया निरीक्षण

कथा के दौरान रूद्राक्ष वितरण रहेगा बंद, कथा की सभी तैयारियां दुरूस्त रखने के दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। कुबेरेश्वर धाम आयोजित होने वाले रूद्राक्ष महोत्सव एवं शिवमहापुराण कथा के दृष्टिगत पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय तिवारी, कलेक्टर श्री बालागुरू के., उप पुलिस महानिरीक्षक श्री ओम प्रकाश त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कथा स्थल की सभी व्यवस्थाओं को देखा और पंडित प्रदीप मिश्रा, संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर आयोजन के संबंध में चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ने कहा कि कथा में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को ध्यान में रखते हुए आयोजन से पूर्व सभी व्यवस्थाएं समयसीमा में पूर्ण की जाएं, ताकि आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, असुविधा अथवा सुरक्षा संबंधी समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अलग-अलग व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे अपने दायित्वों को पूरी गंभीरता के साथ समझें और मौके पर उपस्थित रहकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि समिति के सभी सदस्य अपने-अपने कार्यक्षेत्र की जिम्मेदारियों को भली-भांति समझें तथा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि कथा के दौरान किसी भी स्थिति में जाम की समस्या उत्पन्न न हो। इसके लिए पार्किंग स्थलों का स्पष्ट चिन्हांकन किया जाए तथा श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग जोन निर्धारित किए जाएं। ऑटो स्टैंड की समुचित व्यवस्था, स्टैंड तक पहुंचने के लिए उचित ढलान (स्लोप) निर्माण तथा वाहनों की आवाजाही के लिए सुव्यवस्थित मार्ग बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि हाईवे एवं मुख्य मार्गों पर यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए डायवर्जन प्लान प्रभावी रूप से लागू किया जाए। उन्होंने सड़क मार्गों पर पर्याप्त संख्या में संकेतक, फ्लेक्स एवं सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को मार्ग संबंधी किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही उन्होंने अनाउंसमेंट सिस्टम को सक्रिय रखने के निर्देश दिए, जिससे यातायात एवं आवश्यक सूचनाएं समय-समय पर श्रद्धालुओं तक पहुंचाई जा सकें। फायर सेफ्टी को लेकर उन्होंने निर्देश दिए कि फायर ब्रिगेड, अग्निशमन उपकरण एवं आपातकालीन व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से उपलब्ध रहें। पेयजल, स्वच्छता एवं बिजली व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि

यातायात, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा, फायर सेफ्टी, भीड़ नियंत्रण एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की बारीकी से की समीक्षा

आयोजन स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। प्याऊ, टोंटीयुक्त नल कनेक्शन एवं जल टैंकरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने साफ-सफाई के लिए अस्थाई एवं चलित शौचालयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित सफाई के लिए सफाई कर्मियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। विद्युत व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि सभी बिजली कनेक्शन सुरक्षित हों, नो-मेन जोन का पालन किया जाए तथा विद्युत विभाग की टीम 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नेटवर्क व्यवस्था एवं एलईडी स्क्रीन व्यवस्था को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कथा के दौरान एलईडी स्क्रीन के माध्यम से श्रद्धालुओं को कार्यक्रम का स्पष्ट प्रसारण और सूचनाएं मिले तथा संचार व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोजन के दौरान रुद्राक्ष वितरण पूरी तरह से बंद रहेगा और इस संबंध में स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाए जाएं, ताकि किसी प्रकार का भ्रम न रहे। उन्होंने भोजनशाला, कथा पंडाल, प्रवेश एवं निकास द्वार, पार्किंग स्थल तथा कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि भोजनशाला में स्वच्छता, गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। कथा पंडाल को सुरक्षित एवं मजबूत बनाया जाए तथा कंट्रोल रूम को पूरी तरह क्रियाशील रखा जाए।

जिला न्यायालय में नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

हरदा (निप्र)। प्रधान जिला एवं न्यायाधीश व अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा द्वारा बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से ए.डी.आर. भवन में न्यायाधीशगण, कर्मचारीगण, अधिवक्तागण आदि के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अरविंद रघुवंशी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होने बताया कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन का उद्देश्य न्यायालय से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति, अधिवक्ता और आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन स्वस्थ तन एवं मन से कर सकें। उनके द्वारा नियमित रूप से स्वास्थ्य की जांच कराये जाने और बीमारी के किसी भी लक्षण को नजर अंदाज न कर, समय पर चिकित्सक की सलाह लिये जाने हेतु प्रेरित कर, संतुलित आहार, स्वच्छता और नियिमत व्यायाम को दिनचर्या में शामिल किये जाने की सलाह दी गई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग से डॉ. विजेन्द्र धनवारे, डॉ. रामकृष्ण गुर्जर, श्री संजय मेवाडा मेल नर्सिंग स्टॉफ और श्री मदनमोहन मालवीय शहरी कार्यक्रम प्रबंधक उपस्थित रहे। शिविर में उपस्थित हुए लोगों की शुगर, रक्तचाप की जांच की जाकर, उनको उचित परामर्श प्रदान किया गया।

एक दुखियारी मां को एसडीएम से लगानी पड़ी भरण-पोषण की गुहार

सीहोर (निप्र)। सीहोर के लुनिया मोहल्ला गंज की बुजुर्ग श्रीमती शांताबाई की कहानी केवल एक खबर नहीं है, बल्कि आज के समय की उस सिसकती संवेदना की दास्तान है, जो धीरे-धीरे हमारे समाज से खोती जा रही है। यह कहानी उस माँ की है, जिसने जीवन भर अपने पुत्र के लिए त्याग किया, पर जीवन के अंतिम पड़ाव पर उसी पुत्र से अपने भरण-पोषण के लिए कानून की शरण लेनी पड़ी।

विधवा और वृद्ध शांताबाई के जीवन में सहारा देने वाला केवल एक ही पुत्र है विनोद। ग्राम गोपालपुरा में स्थित उनकी स्वामित्व की भूमि पर पुत्र फसल बोता है, उससे लाभ अर्जित करता है, पर उसी भूमि की स्वामिनी माँ के जीवन निर्वाह की जिम्मेदारी निभाने से पल्ला झाल लिया। यह दृश्य केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि उस सोच का प्रतीक है, जहाँ रिश्ते सुविधा और स्वार्थ के दायरे में सिमटते जा रहे हैं। जब माँ-बाप की जरूरतें बोझ लगने लगें, तब समझ लेना चाहिए कि संवेदनाएं कहीं गहरे में खो गई हैं। वही माँ, जिसने बिना किसी हिसाब-किताब के अपने बेटे को पाला-पोसा, आज अपने अधिकारों के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम का सहारा लेने को मजबूर हुई। यह कदम उनके लिए आसान नहीं रहा होगा, लेकिन मजबूरी कभी-कभी आत्मसम्मान से भी बड़ी हो जाती है। सीहोर एसडीएम श्री तन्मय वर्मा द्वारा इस प्रकरण को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेना केवल एक प्रशासनिक कार्यवाही नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रयास है।

सुनवाई के दौरान जब पुत्र अपने पक्ष में कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका, तब एसडीएम श्री तन्मय वर्मा के न्यायालय ने शांताबाई के पक्ष में निर्णय देते हुए प्रतिमाह 1500 रुपये भरण-पोषण राशि उनके बैंक खाते में जमा करने के आदेश दिए। यह राशि भले ही छोटी प्रतीत हो, पर इसके पीछे छिपा संदेश बहुत बड़ा है। यह घटना हम सभी को ठहरकर सोचने पर मजबूर करती है, कि क्या आधुनिक जीवन की दौड़ में हम अपने सबसे पवित्र रिश्तों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं माता-पिता हमारे जीवन की नींव हैं, कोई कानूनी दायित्व नहीं जिन्हें मजबूरी में निभाया जाए। उनकी सेवा आदेश से नहीं, संस्कार से होती है, कानून से नहीं बल्कि करुणा से होती है। शांताबाई की व्यथा समाज को चेतावनी देती है कि अगर आज हमने अपने माता-पिता की कद्र नहीं की, तो कल केवल पछतावा ही शेष रहेगा। वे हमारे अतीत हैं, हमारी पहचान हैं और हमारे संस्कारों का जीवंत स्वरूप हैं।

कानून के सहारे खड़ी माँ और सवालों के कटघरे में समाज

आर टी ओ द्वारा की गई देर रात स्लीपर बसों की सघन चेकिंग

नर्मदापुरम (निप्र)। सड़क सुरक्षा और यात्री हितों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) नर्मदापुरम श्रीमती रिंकू शर्मा द्वारा रात्रि में स्लीपर बसों की सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न मार्गों पर चल रही बसों की दस्तावेजी और भौतिक जांच की गई। जांच के दौरान एक स्लीपर बस में पंजीयन कार्ड में दर्ज विवरण और वाहन के वास्तविक स्वरूप में विसंगति पाई गई। भौतिक परीक्षण में वाहन की बैठक क्षमता तथा स्लीपर व्यवस्था पंजीयन अभिलेखों से भिन्न पाई गई, जो मोटरयान नियमों का उल्लंघन है। उक्त गंभीर अनियमितता को देखते हुए मोटरयान अधिनियम की धारा 56 के अंतर्गत वाहन की फिटनेस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई। साथ ही मूल पंजीयन अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भोपाल को वाहन पोर्टल के माध्यम से फिटनेस निरस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है।

सीएमएचओ ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया स्वच्छता व लैब व्यवस्था सुधारने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार ने जिला चिकित्सालय आज औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और समग्र स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। सीएमएचओ डॉ. कुमार ने अस्पताल की लैब का भी निरीक्षण कर वहां संचालित जांचों, उपलब्ध संसाधनों एवं कार्यरत अमले की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों को नोटिस जारी करने तथा उनके उस दिन के वेतन काटने के निर्देश दिए गए। टीबी जांच व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पाया गया कि एक लैब तकनीशियन उपलब्ध है। इस पर अन्य कार्यरत लैब तकनीशियन को भी टीबी जांच कार्य में सहयोग देने के लिए लैब प्रभारी को निर्देशित किया गया, ताकि जांच कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए। इसके अतिरिक्त लैब में सामग्री, रिएजेंट एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन सह-अधीक्षक डॉ. अनूप वर्मा पैथालॉजिस्ट डॉ. वैभव मोदी जिला क्षय अधिकारी डॉ. समीर किरार एवं प्रभारी जिला मीडिया अधिकारी श्री हेमन्त कुलश्रेष्ठ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला प्रशिक्षण केंद्र में स्वास्थ्यकर्मियों को जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य प्रभावों से बचाव के लिए प्रशिक्षित किया गया। सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत की देखरेख में आयोजित इस प्रशिक्षण में सीएचओ और आशा कार्यकर्ताओं को जलवायु-संवेदनशील बीमारियों की निगरानी, प्रबंधन और जागरूकता के बारे में जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने की जिले में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में निर्माण विभागों की बैठक आयोजित कर जिले में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को जिले में चल रहे सभी निर्माण एवं विकास कार्यों में तेजी लाते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने मैदानी अमले को लक्ष्य देकर उसके अनुरूप कार्य को पूर्ण कराए। इसके साथ ही सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान यदि गुणवत्ता में कोई कमी पाई जाती है तो संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी विकास एवं निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग करें और कार्यों को जल्द से जल्द से पूर्ण कराएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी कार्य के लिए उतनी ही समय सीमा बताई जाए जितने समय मे वह कार्य पूर्ण हो सके। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आवागमन को सुगम बनाए रखने के लिए लोक निर्माण विभाग को सभी सड़कों एवं पुलों के निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अतिक्रमण के कारण यदि कही सड़क निर्माण कार्य में दिक्कत आती है, तो वहां त्वरित कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण को हटाया जाए और निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को किसी तरह की परेशानी न हो। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में लोक निमार्ण विभाग, जल संसाधन, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम, शिक्षा विभाग, सेतु निर्माण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सोहागपुर में आरटीओ ने स्कूली वाहनों की जांच कर की चालानी कार्यवाही

नर्मदापुरम (निप्र)। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) नर्मदापुरम श्रीमती रिंकु शर्मा द्वारा सोहागपुर क्षेत्र में बिना लाइसेंस स्कूली छात्रों द्वारा वाहन चलाने संबंधी प्राप्त शिकायतों के निराकरण हेतु सेंट पैट्रिक स्कूल, सोहागपुर में विशेष जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई की गई। जांच के दौरान आरटीओ ने स्कूल प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना लाइसेंस तथा बिना हेलमेट दोपहिया वाहनों से आने वाले छात्र-छात्राओं को स्कूल परिसर में वाहन खड़ा करने की अनुमति न दी जाए। साथ ही मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 199 के अंतर्गत किशोरों द्वारा किए गए मोटर यान संबंधी अपराधों के लिए अभिभावकों को उत्तरदायी मानने के प्रावधान की जानकारी पालकों तक पहुंचाने तथा ऐसे मामलों में अभिभावकों से शपथ पत्र (एफिडेविट) लेने के निर्देश भी दिए गए। कार्यवाही के दौरान स्कूल परिसर में खड़ी एक बस सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई, जिस पर वाहन की फिटनेस तत्काल प्रभाव से निरस्त की गई। इसके अतिरिक्त लंबे समय से बिना परमिट, बिना बीमा और बिना फिटनेस संचालित दो स्कूली वाहनों के विरुद्ध कुल 22 हज़ार रुपए की चालानी कार्रवाई की गई।

इसी दौरान स्कूल परिसर में खड़ा एक अपंजीकृत दोपहिया वाहन भी पाया गया, जिस पर 2 हज़ार रुपए का चालान किया गया। आरटीओ श्रीमती रिंकु शर्मा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं बिना हेलमेट वाहन चलाने की अनुमति न दें। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि सड़क दुर्घटनाओं और जनहानि का गंभीर कारण भी बन सकता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए बिना गियर वाले एवं 50 सीसी तक क्षमता वाले वाहनों के लिए लर्निंग लाइसेंस हेतु ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

मदिरा के अवैध विक्रय व संग्रहण के विरूद्ध 12 प्रकरण दर्ज

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशन व जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के मंगलवार को मदिरा के अवैध विक्रय, परिवहन व संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने ने बताया कि इस दौरान आबकारी विभाग के दल ने जिले के टंकी मोहल्ला, खेड़ीपुरा, ग्राम बीड़, गहाल, टिमरनी, भौनखेड़ी, गोंदागांव कला, करताना व छीपानेर में दबिश दी। दबिश के दौरान कुल 46 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब एवं 810 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 12 प्रकरण दर्ज किये।

राइट क्लिक

गाजियाबाद गर्ल्स सुसाइड केस भावी समाज की डरावनी झलक है..

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की भारत सिटी सोसाइटी में ऑन लाइन गेम्स की लत और वर्चुअल एवं एकाकी दुनिया में जी रही तीन नाबालिग बहनों की खुदकुशी की सिहरा देने वाली घटना को विरल मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस गंभीर घटना की भीतरी पर्तें जिस तरह से खुल रही है, वह इस बात की गंभीर चेतावनी है कि हमारा भावी समाज कैसा होगा? इस घटनाक्रम में एक एंगल परिवार में आंतरिक तनाव, एकाकीपन और आपसी संवादहीनता का भी आ रहा है, यदि ऐसा है तो भी यह चेतावनी भरा है कि महज पच्चीस साल बाद मानव समाज में आपसी रिश्ते कैसे और किस दिशा में संचालित होंगे। जिन तीन लड़कियों ने आधी रात के बाद बिल्डिंग से छलांग लगाकर अपनी जान दे दी, उनकी डायरी से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस 'बीटा जनरेशन' की सोच, समझ, प्राथमिकताएं और सपने क्या हैं? यथार्थ जगत से उनका कितना नाता है? ये दुर्भाग्यपूर्ण मौतें केवल वर्चुअल वर्ल्ड में जीने का परिणाम है अथवा परिवारिक सहजीवन और परस्परता के तार-तार होने का बुरा संकेत है? युवा होती पीढ़ी की नजर में मुश्किल से मिले मनुष्य जीवन के क्या मायने हैं? कोरियन कल्चर (या किसी और कल्चर से भी) से प्रभावित होकर असमय जान गंवाने वाली तीनो लड़कियां समाज से लगभग पूरी तरह कट चुकी थीं या उन्हें काट दिया गया था। इसमें उनके परिजनों का भी दोष है। लेकिन जहां ऐसा नहीं है, वहां भी बच्चों की मानसिकता में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। चिंता की बात यही है कि भावी समाज किस बुनियाद पर टिका होगा? ऐसा समाज जो, संवेदना, संवाद और सहकार रहित हो, उसे मानव समाज में मुश्किल होगा। कहा जा रहा है कि भावी समाज अति डिजीटल समेकित समाज होगा, और भौतिक और आभासी समाज का हाईब्रिड होगा। आज अधिकांश बच्चे स्मार्ट फोन के चलते ऑनलाइन गेम्स के लती होते जा रहे हैं। भविष्य के बच्चे तो बचपन से ही स्मार्ट फोन से भी आगे एआई के गुलाम बन जाएंगे। जानकारों को आशंका है कि उनकी अपनी कल्पनाशक्ति, सोच, समझ और संवेदना धीरे-धीरे कुंद होने लगेगी। वो तंत्र, प्रौद्योगिकी और आभासी विश्व के गुलाम नागरिक बन जाएंगे। यूं संचार क्रांति के चलते भौतिक दूरियां मिटेंगी, लेकिन भावनात्मक नजदीकियां दूरियों में तब्दील हो जाएंगी। यानी लोग पास आकर भी दूर होते जाएंगे। ऐसा भावी समाज 'अलोन टुगेदर' यानी 'अकेले रहकर साथ रहने वालों' का होगा।

दुर्भाग्य से आज मोबाइल स्मार्ट फोन बड़ों से भी ज्यादा बच्चों की लत में तब्दील हो रहा है। कई मांएं तो बच्चों को चुप कराने के लिए खुद ही अपना फोन बच्चों को खेलने के लिए दे देती है। आलम यह है कि बच्चा घर या स्कूल में ककहरा सीखने से पहले ही नेट चलाना सीख जाता है। मोबाइल या टैबलेट पर बच्चों का बढ़ता स्क्रीन टाइम उसे उस दुनिया का नागरिक अभी से बना रहा है, जो कम से कम सामाजिकता के जिंदा रहने की दृष्टि से कतई ठीक नहीं है। वाई-फाई पर चल रहे ट्रैफिक पर नजर रखने वाली डिवाइस हैप्पीनेट्ज कंपनी के सर्वे में पाया गया कि आज बच्चे इंटरनेट पर वो सब देख रहे हैं, जो उन्हें इस कच्ची उम्र में कतई नहीं देखना चाहिए। फिर चाहे वह यू-ट्यूब हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग। इससे नई मानसिक समस्याएं पैदा हो रही है। हाल में हुई एक स्टडी बताती है कि एक बच्चे को जितनी जल्दी स्मार्टफोन दिया जाता है, उतनी ही जल्दी उसको मेंटल प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेट पर बच्चे साइबर बुलीइंग, डेटा प्राइवेसी, इन्फॉर्मेशन लीक जैसी कई तरह की गलत एक्टिविटी की चपेट में आ रहे हैं। मां बाप को इसकी या तो जानकारी नहीं है या फिर वो जानकर भी अनजान हैं।

हकीकत यह है कि स्मार्टफोन की लत के चलते कई बच्चे किसी भी काम पर सही ढंग से फोकस नहीं कर पाते। चुनिंदा बच्चे बहुत कुशाग्र हैं तो कई बच्चों की एकाग्रता लगातार घट रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि 2040 तक यानी मात्र 14 साल बाद ही वर्च्युअल रियलिटी यानी वीआर (आभासी वास्तविकता) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का आपस में इतना घालमेल हो जाएगा कि उन्हें एक-दूसरे से अलग करना मुश्किल होगा। वर्चुअल रियलिटी के साथ तेजी से बढ़ती मिक्स्ड रियलिटी यानी एमआर (मिश्रित वास्तविकता) तथा एक्सटेंडेड रियलिटी यानी ईआर (विस्तारित वास्तविकता) का तेजी से विस्तार भी इसमें शामिल हो जाएगा। जीवन के हर क्षेत्र में एआई की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण, अनिवार्य और निर्णायक हो जाएगी। एआई को 'सेकंड सेल्फ' यानी दूसरा स्वयं भी कहा जा रहा है। जबकि मेटावर्स एक गहन आभासी पर्यावरण होगा, लोग जिसके जरिए ही आपस में संवाद करेंगे। 'खूब गुजरेगी जब मिल बैठेंगे दीवाने दो' जैसे जुमले इतिहास की बात होंगे। हकीकत में लोग एक काल्पनिक और अव्यावहारिक दुनिया में ज्यादा जीएंगे। वर्चुअल समाज की अर्थव्यवस्था और सामाजिकता भी वर्चुअल ही ज्यादा होगा। प्रत्यक्ष संवाद और मिल बैठकर सुख दुख की बातें गुजरे जमाने की बात होगी। ज्यादातर लोग अपने में मगन होंगे। सब कुछ होते हुए भी कुछ नहीं होने का अवसाद बना रहेगा और जो आत्मघात तक बढ़ सकता है। ऐसी दुनिया में जीवित रहने के लिए लोगों में क्रिटिकल इमरसिव लिटरेसी (निर्णायक गहन साक्षरता) की दरकार होगी।

भावी डिजीटल समाज में मानवीय रिश्ते इस बात से तय होंगे कि हम संवाद किस तरह करते हैं। सोशल मीडिया के रूप में आज हम यह देख ही रहे हैं, जो हमे सतत संवाद की अवस्था में उलझाए रखता है, लेकिन जिसकी विश्वसनीयता और प्रामाणिकता बहुत संदिग्ध है। उदाहरण के लिए किसी मर चुके व्यक्ति को उसके मेटा पर अनडिलीटेड अकाउंट पर बिना देखे-समझे जन्मदिन की बधाई देते चले जाना है। और ऐसा करने वाले पढ़े-लिखे लोग ही होते हैं। ऐसा लगता है कि लोग किसी बात की गहराई और प्रामाणिकता की पुष्टि के परिश्रम को धता बता चुके हैं। दरअसल 24×7 संपर्क और संवाद आपको जितना सक्रिय रखता है, उतना ही आपकी निजता के लिए घातक भी है और वक्त की बर्बादी भी। इससे अकेलापन बढ़ता है और मनुष्य को अवसाद की ओर ले जाता है। आने वाले वर्षों में यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी। जीवन के कठोर सत्य को स्वीकार कर चुनौतियों से जूझने और संघर्ष का माद्दा घटता जाएगा। ऐसे में कौन कब सुसाइड कर ले या फिर अकारण किसी की हत्या कर दे, कहा नहीं जा सकता। ऐसे अपराधों की विवेचना और दंड के लिए भी हमे वर्तमान कानूनों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करना होगा। इतना ही नहीं, रोमांटिक रिश्ते डेटिंग एप के जरिए ही होंगे। जज्बाती प्रेमपत्र तो अब वैसे भी अतीत की बात बन चुके हैं। सोशल मीडिया ही भावनाओं के इजहार का अहम माध्यम बन गया है। हाइपर कनेक्टेड विश्व लोगों की निजी जिंदगी को लगभग खत्म कर देगा। जिससे उद्वेलन बढ़ेगा। ज्यादातर लोग या तो अपने में मगन होंगे या फिर बेचैन और त्रस्त होंगे।

अहम सवाल यह है कि क्या हम भावी पीढ़ी को इस अभिशाप से बचा सकते हैं अथवा ऐसी कोशिशों के बाद भी यह पीढ़ी उन दुष्परिणामों से बच पाएगी, जिसके खतरे हमे अभी से स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। कभी संयुक्त परिवार वाले भारतीय समाज में आपसी रिश्ते भी सगेपन तक सीमित हो गए हैं। ज्यादातर बच्चे अपने चचेरे ममेरे रिश्तेदारों को नहीं जानते या फिर बहुत औपचारिक संपर्क है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बचपन से ही अभिभावक ध्यान दें तो इस समस्या का कुछ तो निदान हो ही सकता है। गाजियाबाद की तीनों गर्ल्स का स्कूल से नाता टूट चुका था। वो पूरी तरह अकेली और आत्मकेन्द्रित हो गई थीं। भारतीय जीवन मूल्यों के बजाए वर्चुअल वर्ल्ड की कोरियाई जीवन शैली उन्हें सार्थक लगने लगी थी। भले ही असल में खुद कोरियाई लोग अपने जीवन से असंतुष्ट हों। बचपन में माता पिता के प्यार से वंचित उन लड़कियों ने स्मार्ट फोन पर ऑनलाइन गेमिंग और वर्चुअल दुनिया को ही जीवन का सच मान लिया था। उससे दूर जाना उनके लिए मृत्यु का वरण था, जो उन्होंने हकीकत में कर दिखाया। उनके दिमाग पर किसी और कब्जा हो चुका था। यही कारण था कि 80 फीट ऊंचाई से कूदने में भी जान जाने का डर नहीं लगा। मनोचिकित्सकों के अनुसार जब बच्चे ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं या सोशल मीडिया पर रील्स देखते हैं तो उनके दिमाग में डोपामाइन हार्मोन का स्राव होता है। ऐसे में यदि कोई रोकता या टोकता है तो वह आक्रामक हो जाते हैं। मोबाइल पर चलती रील्स बच्चों, किशोरों के दिमाग पर कब्जा कर लेती हैं। नतीजतन पढ़ाई और काम से दूरी, चिड़चिड़ापन, गुस्सा और आत्मघाती विचार इसके प्रमुख लक्षण बनते हैं। एकल परिवार होने और मां-बाप के कॅरियर और कमाई में व्यस्त होने से बच्चे ऐसी वर्चअल दुनिया की तरफ मुड़ जाते हैं, जहां से लौटने का रास्ता कम ही बचता है। गाजियाबाद वाली घटना में भी तीनों बहनों ने कमरे की दीवारों पर अलग-अलग कटिंग लगा रखी थीं। उसी कमरे में तीनों अधिकतर समय बिताती थीं। पिता ने उनका मोबाइल फोन छीनकर बेच दिया था। इससे वो बहुत आहत थीं। इसी साल भोपाल में 14 साल के एक बच्चे ने इसलिए फांसी लगा ली, क्योंकि उसके परिजनों ने उसे मोबाइल पर 'फ्री फायर' गेम खेलने से रोका था। इसी तरह केरल में भी एक नाबालिग लड़की जो मोबाइल पर कोरियन पॉप कल्चर से अत्यधिक प्रभावित थी, ने अकेलेपन से परेशान होकर खुदकुशी कर ली थी। यह तो अभी शुरूआत है। कुछ देशों में बच्चों के मोबाइल रखने और ऑन लाइन गेम खेलने पर रोक लगाई गई है। लेकिन यह भी समस्या का आंशिक इलाज ही है। प्रौद्योगिकी के आक्रमण और विकास को रोक पाना मनुष्य के बस में है या नहीं, यही अब सबसे बड़ा सवाल है। और इस हमले की छाया में जो पीढ़ी जवान होगी, उसका सामाजिक जीवन क्या होगा, होगा भी या नहीं, यह प्रश्न भी कंपकंपी पैदा करने वाला है।

'घूसखोर पंडत' पर भोपाल में फिर प्रदर्शन

एक्टर मनोज बाजपेयी की तस्वीर को जूते से रगड़ा; डॉयरेक्टर नीरज पांडे बोले- फिल्म काल्पनिक

भोपाल (नप्र)। नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही फिल्म 'घूसखोर पंडत' को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक दिन पहले हुए विरोध के बाद आज फिर भोपाल में ब्राह्मण समाज ने प्रदर्शन किया। एमपी नगर में हुए प्रदर्शन के दौरान फिल्म के टाइटल, डायलॉग, निर्देशन और कलाकारों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। संगठन ने कहा कि वह किसी भी तरह की सफाई स्वीकार नहीं करेगा और फिल्म को रिलीज नहीं होने देगा।

प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र मिश्रा ने कहा कि फिल्मों को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन इस फिल्म के जरिए एक पूरे समाज को अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ओटीटी जैसे बड़े प्लेटफॉर्म ने बिना जिम्मेदारी के इस तरह का कंटेंट लॉन्च किया है और अब इसे किसी भी हाल में चलने नहीं दिया जाएगा।

पुष्पेंद्र मिश्रा ने मंच से सरकार और व्यवस्था पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एफआईआर की मांग के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर सोए हुए हैं। साथ ही यूजीसी नियमों और सवर्ण समाज से जुड़े संदर्भों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस तरह की नीतियां समाज को बांटने का काम कर रही हैं। प्रदर्शन के दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों के खिलाफ नारे लगाए गए। वहीं अभिनेता मनोज बाजपेयी की तस्वीर को जूते से रगड़कर प्रतीकात्मक विरोध किया गया, जिससे मौके पर माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया।

डायरेक्टर ने फिल्म को बताया काल्पनिक

इधर, बढ़ते विरोध के बीच फिल्म के प्रोड्यूसर और डॉयरेक्टर नीरज पांडे ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए फिल्म को पूरी तरह काल्पनिक बताया है। नीरज पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कहा कि यह एक फिक्शनल पुलिस ड्रामा है और इसमें 'पंडत' शब्द का इस्तेमाल किसी जाति या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि एक काल्पनिक किरदार के उपनाम के तौर पर किया गया है।उन्होंने कहा कि फिल्म का उद्देश्य किसी भी समाज, धर्म या वर्ग को ठेस पहुंचाना नहीं है। नीरज पांडे ने यह भी कहा कि फिल्म के टाइटल से कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, जिनका वे सम्मान करते हैं।

घर में लगी आग, बुजुर्ग महिला जिंदा जली, पति झुलसा

पन्ना में गंभीर हालत में एडमिट, खेत में बने मकान में सो रहे थे दंपत्ति

पन्ना (नप्र)। पन्ना के पडेरी गांव में एक घर में आग लगने से एक बुजुर्ग महिला की जलकर मौत हो गई। इस घटना में उनके पति गंभीर रूप से झुलस गए। घटना गुरुवार देर रात की है।

घर से बाहर नहीं निकल पाई महिला, जिंदा जली

जानकारी के अनुसार, दंपती खेत के पास बने अपने घर में सो रहे थे, तभी अचानक आग लग गई और पूरे घर को अपनी चपेट में ले

लिया। आग इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग महिला श्याम बाई घर से बाहर नहीं निकल पाई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनके पति बूढ़े लाल आग बुझाने की कोशिश में गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बेटे ने साजिशन हत्या का लगाया आरोप

मृतका के पुत्र उद्देश्य प्रजापति ने इस हादसे के पीछे किसी - सामाजिक तत्व की साजिश की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि किसी की करतूत भी हो सकती है। घटना की सूचना मिलते ही गुनौर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासी सेवक लाल ने बताया कि आग की भयावहता के कारण बुजुर्ग महिला को बचने का मौका नहीं मिला।

गंभीर रूप से झुलसे पति अस्पताल में एडमिट- फिलहाल, झुलसे हुए पति बूढ़े लाल का उपचार गुनौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। पुलिस ने शुक्रवार, 6 फरवरी को पंचनामा कार्यवाही पूरी कर आगे की जांच शुरू कर दी है और मामले की हर एंगल से पड़ताल कर रही है।

ग्वालियर समेत 11 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

सर्दी बढ़ी, खजुराहो में टेम्प्रेचर 6.6 डिग्री; दिन में सर्द हवाओं का असर

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में सर्दी का असर बढ़ गया है। बीती रात ग्वालियर, खजुराहो समेत 11 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। खजुराहो में टेम्प्रेचर

6.6 डिग्री पहुंच गया। वहीं, सर्द हवाओं का भी असर है।

हालांकि, कोहरे का ज्यादा असर नहीं रहा। उज्जैन, ग्वालियर, सतना, भोपाल, दतिया, गुना, रतलाम, जबलपुर, खजुराहो, रीवा, मलाजखंड में विजिबिलिटी 1 से 2 किलोमीटर तक दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, खजुराहो के बाद रीवा सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 7 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़-उमरिया में 8 डिग्री, नौगांव-पचमढ़ी में 8.6 डिग्री, सतना में 9.2 डिग्री, दमोह में 9.5 डिग्री, मंडला-सीधी में 9.8 डिग्री रहा।

इसके अलावा 5 बड़े शहरों में ग्वालियर में सबसे कम 8.7 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 10.2 डिग्री, इंदौर में 10.9 डिग्री, जबलपुर में 11.6 डिग्री और उज्जैन में तापमान 12.2 डिग्री रहा।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम- 7 फरवरी- हलका कोहरा रहेगा। बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन ठंड का असर बढ़ा हुआ रहेगा।

8 फरवरी- कई जिलों में हलका से मध्यम कोहरा रहेगा। इस दिन बारिश का अलर्ट नहीं है।

खरगोन में सुबह छाया रहा हल्का कोहरा, ठिठुरन का एहसास- खरगोन में शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे तक हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी कुछ समय के लिए प्रभावित हुई। इसके बाद कोहरा धीरे-धीरे छंट गया। सुबह के समय ठंड में फिर से बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे लोगों को ठिठुरन का एहसास हुआ।

आठवीं की छात्रा का अपहरण कर जंगल में गैंगरेप

मऊगंज (नप्र)। मऊगंज में 14 साल की आठवीं की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। छात्रा गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे सहेली के साथ आठवीं प्री-बोर्ड की परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में दो बाइक पर चार युवक मिले। दोनों छात्राओं को जंगल ले गए। एक को कुछ दूर पर छोड़ दिया, फिर दूसरी छात्रा के साथ गैंगरेप किया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने छात्रा को कोई नशीला पदार्थ खिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। उसे सिविल अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को सूचना दी। परिजनों के अनुसार, युवती शाम तक जब घर नहीं पहुंची तो खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद गांव के पास जंगल में बेसुध हालत में मिली। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

पड़ोसी ने घर में घुसकर नाबालिग से दुष्कर्म किया

- **मां के निधन के बाद पिता को बताया, आरोपी गिरफ्तार**

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के घाटीगांव थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म कर फरार चल रहे आरोपी को मुखबिर की सूचना पर गुरुवार रात को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली है। पकड़े गए आरोपी ने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार उसके संबंधित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। बता दें कि घटना के बाद पीड़िता की मां का अचानक निधन हो गया था, जिसके कारण पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने पिता को नहीं दी थी। मां के त्रयोदशी संस्कार के बाद उसने पिता को आपबीती बताई, जिसके बाद पिता उसे थाने लेकर पहुंचे। यह घटना 15 जनवरी की बताई जा रही है। आरोपी की पहचान ग्राम जखा निवासी दिलीप बरार पुत्र बलवंत बरार के रूप में हुई है। दिलीप ने 16 वर्षीय किशोरी को घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गया। दुष्कर्म के कुछ समय बाद ही पीड़िता की मां का निधन हो गया था। इस घटनाक्रम से अनजान पीड़िता के पिता मुरैना में खेत में मजदूरी कर रहे थे। पत्नी के निधन की सूचना मिलने पर वह गांव लौटे और अंतिम संस्कार व त्रयोदशी कार्यक्रम संपन्न कराया। मां के त्रयोदशी संस्कार के बाद पीड़िता ने अपने पिता को दिलीप बरार द्वारा किए गए दुष्कर्म के बारे में बताया। जानकारी मिलते ही पिता पीड़िता को लेकर घाटीगांव थाने पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। घाटीगांव थाना प्रभारी पूरन शर्मा ने बताया कि पुलिस ने आरोपी दिलीप बरार के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

भोपाल निगम कमिश्नर पर अवमानना कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक

- **डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर लगाया स्टे, अगली सुनवाई 18 फरवरी को**

जबलपुर (नप्र)। भोपाल नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें उन्हें कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट का दोषी माना गया था। दरअसल, हाईकोर्ट में जस्टिस विशाल मिश्रा की बेंच ने भोपाल नगर निगम को अवैध निर्माण गिराने के मामले में दोषी ठहराया था। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई गाइडलाइन का पालन नहीं किया, जो कानून के राज के खिलाफ माना गया। यह आदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने मार्लिन बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड बनाम नगर निगम भोपाल मामले में गुरुवार को दिया था। सिंगल बेंच ने आयुक्त संस्कृति जैन को अदालत की अवमानना का दोषी ठहराते हुए 6 फरवरी 2026 को सजा सुनाने के लिए सुनवाई तय की थी। भोपाल नगर निगम ने सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए डिवीजन बेंच में मामला उठाया। शुक्रवार को हुई सुनवाई में बेंच ने पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा और अगली सुनवाई 18 फरवरी को तय की।

मप्र के आगामी बजट में भाकपा ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें कम करने की मांग की

भोपाल। भाकपा ने 18 फरवरी को मध्य प्रदेश विधान सभा में प्रस्तुत होने वाले बजट के सम्बन्ध में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें कम करने और महंगाई रोकने सहित विभिन्न मांगें की हैं। भाकपा मध्य प्रदेश के राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि मध्य प्रदेश की जनता पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें सारे देश में सर्वाधिक होने से त्रस्त है। लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता के जीवन को संकट में डाल दिया है। मध्य प्रदेश में विभिन्न विभागों में लाखों पद रिक्त हैं,लेकिन भारी बेरोजगारी होने के बावजूद इन पर नियुक्ति नहीं हो रही है। सरकारी नौकरी में चतुर्थ श्रेणी में नियुक्तियां पूरी तरह बन्द हैं । निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।सरकार की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी कमजोर कर निजी क्षेत्र को संरक्षण दिया जा रहा है। सार्वजनिक परिवहन ठप्प है।मध्य प्रदेश की सरकार जनता को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने हेतु गंभीर नहीं है। मध्य प्रदेश सरकार अंधाधुंध कर्ज ले रही है,यह अनुचित है।